सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 260 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 03 जुलाई 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

प्रदेश में अब तक हुई 194.9 मिमी औसत वर्षा, बिलासपुर में सबसे ज्यादा बरसे बादल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 194.9 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 362.4 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 71.5 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार सरगुजा में 171.3 मि.मी., सूरजपुर में 233.6 मि.मी., जशपुर में 347.9 मि.मी., कोरिया में 238.4 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 153.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर जिले में 132.0 मि.मी., बलौदाबाजार में 172.8 मि.मी., गरियाबंद में 171.4 मि.मी., महासमुंद में 162.9 मि.मी. और धमतरी में 154.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर में 119.9 मि.मी., मुंगेली में 119.5 मि.मी., रायगढ़ में 296.0 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 201.2 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 239.3 मि.मी., सक्ती में 188.3 मि.मी. कोरबा में 184.4 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 188.7 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड हुई है। दुर्ग जिले में 109.6 मि.मी., कबीरधाम में 90.4 मि.मी., राजनांदगांव में 91.3 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 244.5 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 110.9 मि.मी., बालोद में 149.6 मि.मी. और बस्तर जिले में 315.1 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड हुई है। कोंडागांव में 194.1 मि.मी., कांकेर में 233.5 मि.मी., नारायणपुर में 201.0 मि.मी., दंतेवाड़ा में 290.8 मि.मी., सुकमा में 150.8 मि.मी. और बीजापुर में 340.0 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

कृषक रत्न पुरस्कार हेतु 31 जुलाई तक आवेदन पत्र आमंत्रित

जगदलपुर। राज्य शासन द्वारा डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार के लिए कृषकों से 31 जुलाई 2025 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन पत्र उप संचालक कृषि जिला बस्तर जगदलपुर सहित विकासखण्ड स्तरीय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय से नि:शुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन पत्र विभागीय वेबसाईट agriportal.cg.nic.in/ से डाउनलोड भी किए जा सकते हैं। निर्धारित प्रपत्र में पूर्ण रूप से भरे गए आवेदन कार्यालयीन दिवस पर जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है।

छत्तीसगढ़ में जीएसटी कलेक्शन में ऐतिहासिक बढ़त
18 फीसदी की वृद्धि दर के साथ पूरे देश में अव्वल

समीक्षा बैठक के दौरान सीएम साय ने जीएसटी चोरी पर सख्त कार्रवाई का दिया निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जीएसटी कलेक्शन के मामले में छत्तीसगढ़ लगातार देश भर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार के जीएसटी विभाग की सख्ती के कारण रिकार्ड राजस्व की वसूली हो रही है। जीएसटी कलेक्शन के मामले में छत्तीसगढ़ ने 18 फीसदी की ऐतिहासिक वृद्धि के साथ देश में पहला स्थान हासिल किया है। मुख्यमंत्री साय ने बुधवार को जीएसटी विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान विभाग के कार्यों एवं राजस्व संग्रहण की विस्तार से जानकारी प्राप्त की और कर संग्रहण बढ़ाने के उपायों पर कार्य करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के सभी 33 जिलों में जीएसटी कार्यालय स्थापित किए गए हैं, जिससे कर संग्रहण एवं जीएसटी से जुड़ी सेवाओं का कार्य पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ संपादित किया जा रहा है। बैठक के दौरान अधिकारियों ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य को जीएसटी एवं वैट से कुल 23,448 करोड़ रुपये का कर राजस्व प्राप्त हुआ, जो राज्य के कुल कर राजस्व का 38त्न है। छत्तीसगढ़ ने 18 फीसदी की जीएसटी वृद्धि दर हासिल की है, जो देश में सर्वाधिक है।

सीएम साय ने की विभाग के कार्यो की सराहना

बैठक में वित्त एवं वाणिज्यिक कर (जीएसटी) मंत्री ओपी चौधरी ने विभागीय जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री साय ने जीएसटी संग्रहण हेतु विभाग द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की और कहा कि आगे भी नियमों के अनुरूप संग्रहण बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ कर अपवंचन के मामलों एवं उनसे निपटने के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की। बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव मुकेश कुमार बंसल, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत तथा आयुक्त वाणिज्यिक कर पुष्पेंद्र मीणा सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

टैक्स चौरी करने वालों पर करें सख्ती

मुख्यमंत्री साय ने फर्जी बिल, दोहरी बहीखाता प्रणाली और गलत टैक्स दरों का उपयोग कर अनुचित लाभ लेने वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कर की राशि का उपयोग देश और प्रदेश के विकास कार्यों में होता है, इसलिए सभी को ईमानदारी पूर्वक कर अदा करना चाहिए। साय ने कहा कि जो लोग कर (जीएसटी) की चोरी करते हैं, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए तथा उनसे कर की वसूली सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विभाग की नवाचारी पहलों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जीएसटी पंजीकरण की औसत समय सीमा को 13 दिन से घटाकर 2 दिन कर दिया गया है। बैठक में अधिकारियों ने जीएसटी विभाग द्वारा हाल ही में की गई बड़ी कार्रवाइयों एवं कर चोरी की राशि की वसूली की जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि विभाग द्वारा की गई कार्रवाइयों से शासन के कर राजस्व में निरंतर वृद्धि हो रही है।

पीएम मोदी को मिला घाना का सर्वोच्च सम्मान

मोदी ने कहा- यह सम्मान मेरे लिए गर्व की बात

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आफ्रीकी देश घाना में 'द ऑफिसर ऑफद ऑर्डर ऑफद स्टार ऑफ घाना' से सम्मानित किया गया। राजधानी अक्करा में एक कार्यक्रम के दौरान देश के राष्ट्रपति महामा ने पीएम मोदी को सम्मानित किया। सम्मान पाने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'घाना के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित होना मेरे लिए बहुत गर्व और सम्मान की बात हैज मैं राष्ट्रपति महामा, घाना सरकार और घाना के लोगों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने कहा, 'मैं 1.4 अरब भारतीयों की ओर से विनम्रतापूर्वक यह सम्मान स्वीकार करता हूं। मैं यह पुरस्कार हमारे युवाओं की आकांक्षाओं, उनके उज्ज्वल भविष्य, हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और परंपराओं तथा भारत और घाना के बीच ऐतिहासिक संबंधों को समर्पित करता हूं।'

इससे पहले पीएम मोदी ने घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा के साथ बैठक भी की। वार्ता के बाद भारत और घाना के अधिकारियों ने दोनों देशों के बीच हुए चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति महामा और उन्होंने भारत और घाना की द्विपक्षीय साझेदारी को व्यापक बनाने का निर्णय लिया है। घाना के राष्ट्रपति महामा के साथ वार्ता के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत घाना के राष्ट्र निर्माण की यात्रा में सिर्फसाझेदार ही नहीं बल्कि सह-यात्री भी है। उन्होंने कहा, हमने अगले पांच वर्षों में भारत-घाना व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है।

बता दें कि बीते तीन दशकों में भारत के किसी प्रधानमंत्री ने पहली घाना यात्रा की है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री को यह पुरस्कार उनकी उत्कृष्ट राजनीतिज्ञता और प्रभावशाली वैश्विक नेतृत्व के लिए प्रदान किया गया। मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि घाना की उनकी ऐतिहासिक राजकीय यात्रा भारत-घाना संबंधों को नई गति प्रदान करेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह भारत-घाना के बीच गहरे और दीर्घकालिक संबंधों का प्रमाण है।

कैंटर ने बाइक सवारों को रौंदा, चार बच्चों सहित पांच की मौत, रॉन्ग साइड में थी कैंटर गाड़ी

- हापुड़ के हाफिजपुर क्षेत्र में पड़ाव के पास देर रात हुआ हादसा

हापुड़ (ए)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ में बीती रात गलत दिशा में आ रहे कैंटर ने बाइक को रौंद दिया। हादसे में बाइक सवार चार बच्चों समेत पांच की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसा हापुड़ के हाफिजपुर क्षेत्र में पड़ाव के पास बुधवार रात साढ़े दस बजे के आसपास हुआ। हादसे में मरने वाले एक ही बाइक पर सवार थे।

मिली जानकारी के अनुसार हापुड़ के मोहल्ला रफीकनगर निवासी राजमिस्त्री दानिश (36) अपनी दो बेटियों माहिरा (6), समायरा (5) के अलावा भाई सरताज के बेटे समर (8) और दोस्त रफीकनगर निवासी वकील के बेटे माहिम (8) को लेकर गुलावठी के गांव मिठ्ठेपुर गए थे। वहां पांचों ने बाग में स्थित स्विमिंगपूल में स्नान किया। इसके बाद रात साढ़े दस बजे के करीब बाइक में चारों बच्चों को बैठाकर दानिश वापस गांव आ रहे थे।

हाफिजपुर क्षेत्र में पड़ाव के पास एक रांग साइड से आए कैंटर ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक पर सवार चार बच्चों समेत पांचों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लिया। ट्रक का चालक मौके से भाग गया। दुर्घटना की खबर मिलते ही पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। टक्कर मारने वाले कैंटर को जब्त कर लिया गया है। आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

देख सकेंगे भगवान राम से जुड़े स्थल : 25 जुलाई से रेलवे शुरू कर रहा है रामायण यात्रा

नई दिल्ली (ए)। यदि आप भगवान से जुड़े स्थलों का दर्शन करना चाहते हैं तो यह मौका इंडियन रेलवे आपकों दे रहा हैं। इंडियन रेलवे के उपक्रम भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) 25 जुलाई को अयोध्या से रामेश्वरम तक रामायण यात्रा ट्रेन का संचालन करने जा रहा है। दिल्ली के सफ्दरजंग स्टेशन से शुरू होने वाली इस यात्रा के अंतर्गत तीर्थ यात्रियों को भगवान राम से जुड़ी जगहों अयोध्या, प्रयागराज, चित्रकूट, सीतामढ़ी, जनकपुर, श्रृंगवेरपुर, नासिक, हम्पी से लेकर रामेश्वरम तक घूमने और प्रभु श्रीराम के दर्शन का मौका मिलेगा।

यह रामायण यात्रा 16 रातें व 17 दिन की होगी। ट्रेन का पहला पड़ाव अयोध्या होगा। जहां तीर्थ यात्रियों को राम जन्मभूमि मंदिर, हनुमान गढ़ी, राम की पैड़ी देखने का सुअवसर मिलेगा। इसके बाद नंदीग्राम में भरत-हनुमान मंदिर और भरत कुंड का दर्शन, जनकपुर (नेपाल में) में राम-जानकी मंदिर, धनुष धाम मंदिर और परशुराम कुंड, सीतामढी (बिहार) में जानकी मंदिर और पुनौरा धाम, बक्सर में राम रेखा घाट, रामेश्वर नाथ मंदिर, वाराणसी में तुलसी मानस मंदिर, संकट मोचन मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर और गंगा आरती देखने का सुनहरा मौका मिलेगा।

रामेश्वरम के धनुषकोड़ी तक जाएगी ट्रेन

इसके बाद रामायण यात्रा ट्रेन यात्रियों को लेकर सीतामढी (उत्तर प्रदेश) की ओर बढ़ेगी जहां सीता समाहित स्थल (सीता माता मंदिर) के दर्शन होंगे। यहां से ट्रेन प्रयागराज जाएगी। जहां त्रिवेणी संगम, हनुमान मंदिर और भारद्वाज आश्रम देखने का मौका मिलेगा। यात्रा को आगे बढ़ाते हुए ट्रेन श्रृंगवेरपुर, चित्रकूट, नासिक, पंचवटी, हम्पी होते हुए रामेश्वरम पहुंचेगी। इन स्थानों पर यात्रियों को क्रमश: श्रृंग ऋषि मंदिर, गुप्त गोदावरी, राम घाट, सती अनुसूया मंदिर, त्रयंबकेश्वर मंदिर, सीता गुफा और कालाराम मंदिर, अंजनाद्री पहाड़ी, विरुपाक्ष मंदिर, विट्ठल मंदिर, रामनाथस्वामी मंदिर और धनुषकोडी का दर्शन होगा। यात्रा के दौरान ट्रेन में चाय, नाश्ता, दोपहर और रात का शाकाहारी भोजन दिया जाएगा।

यात्रा तिथि और यात्रा कार्यक्रम

यात्रा की शुरुआत 25 जुलाइ को होगी। दिल्ली-अयोध्या-जनकपुर-सीतामढ़ी-बक्सर-वाराणसी-प्रयागराज-श्रृंगवेरपुर-चित्रकूट-नासिक-हम्पी-रामेश्वरम तक यात्रा होगी। इसके बाद वापसी होगी। यात्रीदिल्ली सफ्दरजंग, गाजियाबाद, अलीगढ, टुंडला जं., इटावा, कानपुर, लखनऊ. झाँसी, ग्वालियर, आगरा कैंट व मथुरा से बोर्डिंग कर सकेंगे।

यात्रा में शामिल किए गए यह स्थल

अयोध्या: राम जन्मभूमि मंदिर, हनुमान गढ़ी, राम की पैड़ी।
नंदीग्राम: भरत-हनुमान मंदिर और भरत कुंड।
जनकपुर (नेपाल): राम जानकी मंदिर, धनुष धाम मंदिर और परशुराम कुंड।
सीतामढी (बिहार): जानकी मंदिर और पुनौरा धाम।
बक्सर: राम रेखा घाट, रामेश्वर नाथ मंदिर।
वाराणसी: तुलसी मानस व संकट मोचन मंदिर, काशी विश्वनाथ व गंगा आरती।
सीतामढी (उत्तर प्रदेश): सीता समाहित स्थल (सीता माता मंदिर)।
प्रयागराज: त्रिवेणी संगम, हनुमान मंदिर और भारद्वाज आश्रम।
श्रृंगवेरपुर: श्रृंग ऋषि मंदिर।
चित्रकूट: गुप्त गोदावरी, राम घाट और सती अनुसूया मंदिर।
नासिक: त्रयंबकेश्वर मंदिर, पंचवटी (सीता गुफा और कालाराम मंदिर)।
हम्पी: अंजनाद्री पहाड़ी, विरुपाक्ष मंदिर और विट्ठल मंदिर।
रामेश्वरम: रामनाथस्वामी मंदिर और धनुषकोडी।

उत्तर दक्षिण पूरब पश्चिम में उलझे लोग

श्रीकंचनपथ

रिश्तेदारी में एक निधन हो गया। घर में इतनी जगह नहीं थी कि शव को उत्तरायण लिटाया जा सके। किसी तरह असबाब को हटाकर जगह निकाली गई। शव को उत्तरायण लिटाया गया। तभी किसी बच्चे ने मोबाइल फोन निकाल लिया। उसने कम्पास ऐप चालू किया और बताया कि यह उत्तर नहीं बल्कि उत्तर पश्चिम है। किसी ने उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया। ऐसी बातों पर ध्यान देना भी नहीं चाहिए। टोटका समस्या को हल करने के लिए होता है, मन को सुकून देने के लिए होता है। जिसे करने से मन को अच्छा लगे, वही करना चाहिए। यही बातें मकान के वास्तु को लेकर भी कही जा सकती है। वास्तु की मूल अवधारणा कहती है कि घर पूर्व मुखी होना चाहिए। भगवान और पानी का स्थान पूर्वोत्तर अर्थात ईषाण कोन पर होना चाहिए। रसोई या अग्नि का स्थान दक्षिण पूर्व या आग्नेय कोण में होना चाहिए। जिन लोगों का कर्मजीवन या बचपन भिलाई इस्पात संयंत्र के टाउनशिप में बीता हो वो खूब जानते हैं कि भिलाई टाउनशिप के सभी मकान या तो उत्तर मुखी हैं या फ्रि दक्षिण मुखी। भिलाई इस्पात संयंत्र के कम से कम दो मुख्य प्रवेश द्वार उत्तर दिशा में हैं। इस्पात भवन और जनसम्पर्क कार्यालय पश्चिम मुखी हैं। इन दिशाओं के चलते कभी किसी को कोई असुविधा हुई हो, ऐसा कभी सुनने में नहीं आया। समय पर वेतन मिलता रहा, बच्चे सस्ते में अच्छी शिक्षा पाते रहे, इलाज मुफ्त में होता रहा। लोगों ने सुख पूर्वक अपना पूरा जीवन व्यतीत किया। दरअसल, जीवन है तो समस्याएं भी रहेंगी। कुछ लोग समस्याओं से सहज भाव से जूझते हैं। वहीं कुछ लोग समस्याएं देखकर घबरा जाते हैं और उसका समाधान टोटके में ढूंढने लगते हैं। उन्हें टोटके देने का एक बड़ा बाजार हमेशा से रहा है। अगर लोग परेशान हैं तो उन्हें समाधान बेचने वाले भी हैं। गरीबी के चलते कोई भले ही बिना इलाज के मर गया हो पर उसकी आत्मा तब तक मुक्त नहीं हो सकती जब तक कि कुछ खास लोग जीम न लें। ऐसी कई बीमारियां हैं जिन्हें हम अब तक दैवीय प्रकोप मानते हैं। कुछ लोगों को यदि पता भी है तो उनकी सुनता कौन है। लगभग प्रत्येक गांव में एक 'कोंदा' मिल जाएगा। उसका कोई इलाज नहीं कराता। स्कूल कालेज जाने का तो सवाल ही नहीं उठता। मान्यता है कि ऐसी अधिकांश बीमारियां विवाह के बाद ठीक हो जाती हैं। इसलिए पकड़-धकड़ कर उसकी शादी करवा दी जाती है। बेचारी फ्रि जीवन भर उसका अतिरिक्त बोझ ढोती है। आखिर क्या भारत इसी तरह विश्व गुरू बनने की बाट जोह रहा है। विज्ञान और टेक्नोलॉजी के मामले में हम भले ही दुनिया का नेतृत्व न कर सकें पर आध्यात्म के नाम पर हम पूरी दुनिया पर भारी हैं। भले ही शिक्षा का बुरा हाल हो पर अपने प्राचीन ज्ञान की बातें दोहराकर हम लोगों को पका तो सकते ही हैं।

संपादकीय

आत्महत्या की दर में वृद्धि

आत्महत्या भारत के युवाओं में मौत के शीर्ष दो कारणों में से एक रही है, वह भी पिछले दो दशकों से। मौत के कारणों के विश्लेषण के आधार पर सामने आए इस चिंताजनक डेटासेट से यह भी पता चलता है कि 2020-2022 के बीच 15-29 वर्ष की आयु के लोगों में हर छह में से एक मौत आत्महत्या के कारण हो सकती है। हालांकि इस समयावधि में पुरुषों की तुलना में अधिक युवा महिलाओं ने आत्महत्या की, लेकिन यह अंतर कम हो रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े भी इसी तरह की भयावह खबर देते हैं।

> ***भारत की आत्महत्या दर बढ़कर प्रति 1,00,000 पर 12.4 व्यक्ति हो गई है, जो देश में अब तक की सबसे अधिक दर है। वैश्विक रुझान भी भारत में इन चिंताजनक निष्कर्षों के अनुरूप है। हर 40 सेकंड में दुनिया में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, इस प्रकार प्रति वर्ष 7,27,000 से अधिक मौतें होती हैं। जबकि 73 प्रतिशत आत्महत्याएं निम्न और मध्यम आय वाले देशों से रिपोर्ट की गईं जहाँ मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएँ अपर्याप्त हैं, यहाँ तक कि संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देश में, जहाँ मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल की तुलनात्मक रूप से बेहतर व्यवस्था है, वहाँ भी आत्महत्या की दरों में 17 प्रतिशत की चिंताजनक वृद्धि देखी गई।***

भारत की राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति, जो 2030 तक आत्महत्या मृत्यु दर में 10 प्रतिशत की कमी लाने का लक्ष्य रखती है, आत्महत्या से निपटने के लिए नैदानिक हस्तक्षेप की ओर एक स्पष्ट झुकाव रखती है। हेल्पलाइन, मनोवैज्ञानिक परामर्श और मनोरोग देखभाल, बेशक, अपरिहार्य हैं। लेकिन भारत और दुनिया भर में आत्महत्या के लिए प्रासंगिक संरचनात्मक स्थितियों की अनदेखी करना घातक हो सकता है। WHO के डेटा इस संबंध में कुछ प्रासंगिक बिंदु बताते हैं।

भारत में, घरेलू हिंसा, जाति-आधारित उत्पीड़न, ऋण और शैक्षणिक दबाव आत्महत्या के प्रमुख कारण हैं, अमेरिका में, आग्नेयास्त्र और अनुपचारित मानसिक बीमारी मुख्य योगदानकर्ता हैं, जापान और दक्षिण कोरिया में, अधिक काम और सामाजिक अलगाव आत्महत्या से होने वाली मौतों से निकटता से जुड़े हैं, जबकि दुनिया भर में शरणार्थी आबादी और स्वदेशी समूहों के बीच, विस्थापन और भेदभाव जोखिम को बढ़ाते हैं। परिस्थितियाँ अलग-अलग हैं, लेकिन पैटर्न वही है: जहाँ व्यवस्थागत अन्याय और असमानताएँ मौजूद हैं, वहाँ आत्महत्या का जोखिम बढ़ जाता है। आत्महत्या से निपटने के लिए एक मजबूत नैदानिक तंत्र स्थापित करने के साथ-साथ अभाव और आर्थिक कठिनाई को कम करने के लिए सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा योजनाएँ, स्कूलों, कार्यस्थलों और डिजिटल स्थानों में उत्पीड़न-विरोधी और भेदभाव-विरोधी नीतियाँ, घरेलू हिंसा और दुर्व्यवहार से निपटने के लिए लैंगिक समानता कानून और साथ ही मानसिक स्वास्थ्य सेवा को किफायती बनाने के उपाय भी होने चाहिए। मानसिक बीमारियों से जुड़े पूर्वाग्रहों से भी निपटना होगा। ये, एक सहानुभूतिपूर्ण संस्कृति के साथ, मृत्यु और जीवन के बीच अंतर कर सकते हैं।

बड़ी चुनौती है फैक्ट्री के धमाकों को रोकना

अशोक मधुप

श्रम और रोजगार मंत्रालय के महानिदेशालय फैक्ट्री सलाह सेवा और श्रम संस्थान (DGFASLI) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत के पंजीकृत फैक्ट्रियों में दुर्घटनाओं के कारण हर दिन औसतन तीन मजदूरों की मौत हुई है और 11 घायल होते हैं।

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के पासमैलारम फेज एक इलाके में एक केमिकल फैक्टरी में हुए विस्फोट में 34 कर्मचारियों की मौत हो गई। तीन दिन पहले उत्तर प्रदेश के नोएडा के थाना फेस वन क्षेत्र स्थित डी-93 सेक्टर-दो स्थित शाम पेंट इंडस्ट्रीज केमिकल की कंपनी में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि लपटें आसमान तक छूती नजर आई। करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। फायर ब्रिगेड टीम ने इस आग की घटना में किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान न होने की बात कही है। इसी 16 जून को उत्तर प्रदेश के अमरोहा जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव अतरासी से करीब दो किलोमीटर दूर यह फैक्ट्री चार महिलाओं की मौत हो चुकी थी। नौ घायल मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोप है कि फैक्ट्री संचालक ने पटाखे बनाने के लिए आसपास की रहने वाली महिलाओं को कम मजदूरी पर रखा था। उन्हें केवल 300 रुपये दिहाड़ी दी जाती थी। मजदूरों को न कभी ट्रेनिंग दिलाई और नही आपातस्थित से निपटने का कोई प्रशिक्षण दिया गया। फैक्ट्री में दुर्घटनाएं होने पर कुछ दिन शोर मचता है। मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा होने के बाद सब शांत हो जाता है। दुर्घटनाएं रोकने की कोई योजना नही बनती। नहीं फैक्ट्री के श्रमिकों को दुर्घटना होने के समय की चुनौती बताई जाती हैं। दुर्घटना होने के समय की चुनौती के समय के लिए प्रशिक्षित भी नही किया जाता। दुर्घटना होने पर क्या किया जाए इसका भी प्रशिक्षण नहीं दिया जाता। फैक्ट्री लगती है किंतु उनका तकनीकि निरीक्षण नहीं होता। निरीक्षण करने वाली अधिकारी पैसे के बल पर अपने आफिस में ही बैठकर रिपोर्ट बना देते है। सही मायने में फैक्ट्रियों में होने वाली दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली मौत का जिम्मेदार वह अमला भी है जो समय-समय पर इनके सुरक्षा तंत्र का निरीक्षण करता है।

श्रम और रोजगार मंत्रालय के महानिदेशालय फैक्ट्री सलाह सेवा और श्रम संस्थान (DGFASLI) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत के पंजीकृत फैक्ट्रियों में दुर्घटनाओं के कारण हर दिन औसतन तीन मजदूरों की मौत हुई है और 11 घायल होते हैं। नवंबर 2022 में आरटीआई जवाब के अनुसार, भारत में रजिस्टर्ड फैक्ट्रियों में हर साल होने वाली दुर्घटनाओं में 1,109 वर्करों की मौत हो गई और 4,000 से अधिक वर्कर घायल हुए। ये 2017 से 2020 के बीच आंकड़ों के आधार पर है। वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि यह संख्या और भी ज्यादा है क्योंकि बड़े पैमाने पर असंगठित क्षेत्रों में होने वाले हादसों की रिपोर्ट दर्ज ही नहीं की जाती है।

निदेशालय जनरल फैक्ट्री एडवाइस सर्विस एंड लेबर इंस्टीट्यूट्स की रिपोर्ट, 2022 के अनुसार 2021 में, महाराष्ट्र में 6,492 खतरनाक फैक्ट्रियों में से केवल 1,551 का निरीक्षण किया गया, जिससे 23.89 प्रतिशत निरीक्षण दर प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त, 39,255 पंजीकृत फैक्ट्रियों में से केवल 3,158 का निरीक्षण किया गया। इससे 8.04 प्रतिशत निरीक्षण मिली। अन्य प्रमुख औद्योगिक राज्यों में भी यह प्रवृत्ति दिखाई देती है। तमिलनाडु में सामान्य निरीक्षण दर 17.0 प्रतिशत और खतरनाक फैक्ट्रियों की निरीक्षण दर 25.39 प्रतिशत थी। गुजरात में सामान्य निरीक्षण दर 19.33 प्रतिशत और खतरनाक फैक्ट्रियों की निरीक्षण दर 19.81 मिली। 2021 के लिए अखिल भारतीय आंकड़े सामान्य निरीक्षणों के लिए 14.65 प्रतिशत और खतरनाक फैक्ट्रियों के लिए 26.02 प्रतिशत थे। उपर्युक्त विवरण से लिया गया है।

खराब निरीक्षण दरों का एक कारण कर्मचारियों की कमी है। महाराष्ट्र में निरीक्षकों की नियुक्ति दर केवल 39.34 प्रतिशत थी। इसमें 122 स्वीकृत अधिकारियों में से केवल 48 कार्यरत थे। गुजरात में नियुक्ति दर 50.91 प्रतिशत रही, तो तमिलनाडु में यह 53.57 प्रतिशत थी। अखिल भारतीय नियुक्ति दर 67.58 प्रतिशत थी। स्वीकृत पदों की संख्या पंजीकृत फैक्ट्रियों की संख्या के सापेक्ष वार्षिक निरीक्षण सुनिश्चित करने के लिए अपर्याप्त रही है। 2021 में, अखिल भारतीय स्तर पर 953 स्वीकृत निरीक्षकों में से प्रत्येक को वार्षिक रूप से 337 पंजीकृत फैक्ट्रियों का निरीक्षण करना पड़ता है।

मई 2024 में, महाराष्ट्र इंडस्ट्री डेवलपमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष ने एक मीडिया रिपोर्ट में स्वीकार किया कि सुरक्षा निरीक्षण और प्रमाणन अक्सर ऑडिटरों और फैक्ट्री मालिकों या प्रबंधकों के बीच समझ के आधार पर किए जाते थे। यह संकेत देता है कि नियोक्ता भी श्रम निरीक्षकों के समान ही दोषी हैं, और भ्रष्ट प्रथाओं की आपूर्ति पक्ष को संबोधित करना मांग पक्ष के सुधार के समान ही महत्वपूर्ण है।

प्रदेश स्तर पर विशिष्ट सीमा मात्रा के साथ खतरनाक रसायनों और ज्वलनशील गैसों की एक सूची स्थापित की जानी चाहिए। प्रत्येक राज्य को प्रमुख खतरे वाले कार्यस्थलों की सूची बनाए रखनी चाहिए। समें सुविधा का प्रकार, उपयोग किए गए रसायन और संग्रहीत मात्रा का विवरण हो। खतरनाक सामग्री की सूची और इन्वेंट्री को एक केंद्रीकृत डेटाबेस में संग्रहीत करें, जिस तक नियामक निकाय, आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ता, और जनता आसानी से पहुंच सकें। निरीक्षण प्रणाली को उदार बनाने के बजाय, सरकारों को आईएलओ सम्मेलन के प्रावधानों का पालन करके मजबूत श्रम बाजार शासन सुनिश्चित करना होगा। प्रौद्योगिकी में तेजी से प्रगति और खतरनाक और रासायनिक पदार्थों के उपयोग को देखते हुए, सख्त निरीक्षणों की आवश्यकता है।

औद्योगिक आपदाओं की पुनरावृत्ति सरकार की विफलता को दर्शाती है कि उसने पिछले घटनाओं से सबक नहीं सीखा है। सुधारों और कमजोर शासन के नाम पर, राज्य अपने मूल कर्तव्य से पीछे नहीं हट सकता कि वह एक सुरक्षित कार्य और जीवन सुनिश्चित करे। एक प्रभावी और नैतिक श्रम निरीक्षण प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए सार्थक सुधारों की आवश्यकता है जो श्रमिकों और समुदाय की सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता दें। इसके साथ ही फैक्ट्री श्रमिकों का आपदा के समय सुरक्षा के उपाए, कैसे बचाव करें आदि का बार-बार प्रशिक्षण देना होगा। सभी उद्योगों के निरीक्षण के लिए तकनीकि विशेषज्ञों की टीम बनानी होगी। उन्हें नियमित निरीक्षण के निर्देश करने होंगे। इससे किसी दुर्घटना होने पर मौत और घायलों का आंकड़ा कम किया जा सकता है। दुर्घटना होने के हालात में इन तकनीकी अधिकारियों की जिम्मेदारी भी फिक्स करनी होगी। देखने में आ रहा है कि निरीक्षण स्टाफकी फेक्ट्री स्वामियों से मिलीभगत होने के कारण उद्योग स्वामी प्राय: प्रशिक्षित स्टाफ नही रखते। उत्तर प्रदेश के अमरोहा के अगवानपुर की दुर्घटना ग्रस्त पटाखा फैक्ट्री का भी ये ही कारण रहा। फैक्ट्री स्वामी ने सस्ते के चक्कर में फैक्ट्री के आसपास रहने वाली महिलाएं रख रखी थी। उन्हें वह मात्र तीन सौ रूपया रोज मजदूरी देता था। उनकी सामजिक सुरक्षा आदि का भी प्रबंध नही था।

केंद्र ही नहीं प्रदेश सरकारों को भी उद्योग स्वामियों को बताना होगा कि उनके यहां काम करने वाले श्रमिक और तकनीकि विशेषज्ञ देश की धरोहर है। उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उद्योग के साथ देश और समाज की भी है। घटना होने पर मात्र जांच के आदेश और मुआवजा देने से ही काम नही चलेगा। दुर्घटना के लिए जिम्मेदारी भी तै करनी होगी। जिम्मेदार लोगों को दंडित भी करना होगा तभी जाकर ये दुर्घटनाएं रूकेगी। एक बात और यदि उद्योग में सुरक्षा मानक कड़े हों, उद्योग श्रमिकों को समय-समय पर सुरक्षा संबधी प्रशिक्षण मिले तो दुर्घटनाएं ही न हों। हों तो मौत और घायलों की संख्या बहुत कम रहे। दुर्घटनाएं न हो तो उद्योग भी न मरे। दुर्घटनाएं होने से श्रमिकों के साथ एक प्रकार से संबधित उद्योग भी मर जाता है। अधिकतर दुर्घटनाग्रस्त उद्योग के स्वामी दुर्घटना के कारण हुए नुकसान, श्रमिकों को मुआवजा आदि देने के कारण बर्बाद हो जाते हैं। वे दुबारा से मुश्किल से ही काम को जोड़ पाते हैं। इससे देश का एक व्यापारी, एक व्यवसायी भी एक प्रकार से मर जाता है। उसका आर्थिक रूप से मरना देश की प्रगति को भी नुकसान देता है।

हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों का प्रमुख केन्द्र बनेगा छत्तीसगढ़

जीएस केशरवानी, उप संचालक

छत्तीसगढ़, भारत में हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों के प्रमुख केन्द्र के रूप में उभरने जा रहा है। मध्य भारत की सबसे बड़ी और सबसे आधुनिक केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई भी दुर्ग जिले के जामगांव (एम) में स्थापना की गई है। यहां राज्य के वनों में उपलब्ध लघु वनोपजों का स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण किया जाएगा। इस इकाई में हर वर्ष लगभग 50 करोड़ रूपए के आयुर्वेदिक औषधीय उत्पादों का उत्पादन एवं प्रसंस्करण किया जाएगा। यह प्रसंस्करण केंद्र छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ द्वारा निर्मित किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा स्थानीय उद्यमियों को गुणवत्तायुक्त उत्पाद तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ के वनोत्पाद के प्रसंस्करण और वैल्यूएडिशन पर विशेष फोकस किया जा रहा है। राज्य की नई उद्योग नीति में भी वनोपज प्रसंस्करण इकाईयों को थ्रस्ट सेक्टर में शामिल किया गया है तथा इसके लिए विशेष प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है।

जामगांव में स्थापित की गई अत्याधुनिक केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई से फारेस्ट टू फार्मेसी मॉडल की शुरुआत हुई है। इस इकाई का मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हाल में ही लोकार्पण किया है। यह प्रसंस्करण इकाई लगभग 27.87 एकड़ में फैला हुआ है। यहां फार्मास्युटिकल ग्रेड उपकरणों द्वारा आधुनिक ढंग से आयुर्वेदिक एवं हर्बल औषधियों का उत्पादन होगा। इस इकाई में आयुर्वेदिक औषधियों के चूर्ण, सिरप, तेल, अवलेह एवं टैबलेट के रूप में उत्पादन, प्रसंस्करण तथा पैकेजिंग किया जायेगा। इस इकाई में मशीन स्थापना, संचालन तथा विपणन पीपीपी मोड पर किया जाएगा। आयुर्वेदिक औषधि इकाई में 36.47 करोड़ रूपए की लागत से क्रॉरेंटाइन बिल्डिंग, प्री-प्रॉसेसिंग बिल्डिंग, मटेरियल स्टोरेज बिल्डिंग, मेन प्लांट बिल्डिंग आदि बनाए गए हैं।

हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट 6.04 एकड़ में बनाई गई है, इसकी लागत 23.24 करोड़ रुपए है। इसमें आधुनिक मशीनरी के माध्यम से विभिन्न औषधीयों, वनस्पतियों से अर्क निकाले जाएंगे। इस यूनिट में गिलोय, कालमेघ, बहेड़ा, सफेद मूसली, जंगली हल्दी, गुड़मार, अश्वगंधा, शतावरी आदि महत्वपूर्ण औषधीय, वनस्पतियों से अर्क निकालकर उन्हें आयुर्वेदिक औषधियों तथा अन्य वेलनेस उत्पादों के प्रसंस्करण व निर्माण में उपयोग किया जाएगा।

केंद्रीय प्रसंस्करण इकाई जामगांव में 2000 से अधिक स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। आदिवासी एवं वनवासी समुदायों के साथ ही महिलाओं को लघु वनोपजों के संग्रहण, प्राथमिक प्रसंस्करण कार्य में रोजगार और आय में वृद्धि के अवसर मिलेगा

मनुष्य की आयु निश्चित होने की बात स्वीकार करनी चाहिए

अवधेश कुमार

अहमदाबाद हवाई दुर्घटना की तस्वीरें मजबूत हृदय वालों के अंदर भी कुछ समय के लिए भय पैदा कर देती है। दूसरी ओर ट्रैजेडी को अभिव्यक्त करने के लिए शब्द छोटे पड़ गए हैं। विमान का अगला भाग मेडिकल कॉलेज में घुसा हुआ बाहर निकला दिखता है। इससे पता चलता है कि विमान आग का गोला बना अपनी गति से जब हॉस्टल में घुसा होगा कैसी भयानक स्थिति पैदा हुई होगी। चारों तरफ जले हुए मलबे के ढेर बता रहे हैं कि विनाश की अग्नि ने वाकई तांडव मचा दिया जिसकी चपेट में आए मकान, सामान, जीव, पेड़-पौधे सभी धू-धू कर छटपटाते जलते रहे।

अहमदाबाद हवाई अड्डा से लंदन गैटिवक के लिए उड़ान भरने वाले एयर इंडिया के एआई 171 बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान के कुछ यात्रियों की ऐसी कहानियां सामने आ रहीं हैं जो हर व्यक्ति के अंदर टीस पैदा करती है। कुछ मिनट पहले की हंसती खेलती सेल्फियां और तस्वीरें सदा के लिए समाप्त हो गई। विमान ने अहमदाबाद के रनवे-23 से 13:39 बजे उड़ान भरी थी। दो पायलट एवं 10 क्रू मेंबर सहित 242 सवारों में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, एक कनाडाई और सात पुर्तगाली नागरिक सवार थे।

उड़ान भरने से लेकर दुर्घटनाग्रस्त होने तक के सामने आए वीडियो से इसे सामान्य दुर्घटना मानने वालों की संख्या अत्यंत कम है। विमान उड़ान भरने के कुछ मिनट बाद ही तेजी से नीचे की ओर आने लगा और सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के पास मेघाणीनगर के सिविल अस्पताल और बीजे मेडिकल कॉलेज के पांच मंजिला छात्रावास पर गिर गया। यात्री तो विमान में सवार थे किंतु हॉस्टल में छात्रावास एवं मेडिकल कॉलेज में जान गंवाने वाले छात्र-छात्राओं, डॉक्टरों, उनके परिजनों के लिए भी यह काल बन गया। हॉस्टल के दृश्य बता रहे हैं किसी के प्लेट में एक रोटी पड़ी है तो किसी में थोड़ी सब्जी। चारों ओर कैसी चीख पुकार मची होगी। सेकेंड पहले जो स्वाद लेकर खा रहे होंगे आपस में बातचीत कर रहे होंगे उन्हें पता भी नहीं होगा कि आखिर हुआ क्या और प्राण पखेरू उड़ गए। कहा गया है कि मौत के कई बहाने होते हैं। मृत्यु तो आनी है चाहे जैसे आए। मृत्यु जीवन का एकमात्र सत्य है और इसके कारण कुछ भी हो सकता है। हम मनुष्य के रूप में एक पूरे तंत्र के हिस्से हैं। इसलिए घटनाएं होंगी तो उन्हें वर्तमान तंत्र के अनुसार हर दृष्टि से विश्लेषित किया जाएगा। एक साथ अग्नि का इतना विशाल ज्वालामुखी फट जाए तो कौन बच सकता है।

दुर्घटना के समय विमान में 1,26,907 लीटर ईधन था और उसकी ऊंचाई 625 फीट थी। विमान क्रैश होते ही उसके ईधन ने आग पकड़ ली। तेज धमाके से उसके परखच्चे उड़ गए और विमान ज्वालामुखी की तरह धधक उठा। घने काले धुएं का गुबार काफी दूर तक देखा गया। दुर्घटनाग्रस्त विमान के आसपास तापमान 1000 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था तो बचाव कार्य में कितना मुश्किल हो गया होगा इसे आसानी से समझा जा सकता है। घटनास्थल पर गर्मी इतनी बढ़ गई कि जानवरों और पक्षियों तक को भागने का मौका नहीं मिला और सभी जलकर खाक हो गए।

सड़कों पर बुरी तरह झुलसे हुए शव बिखरे पड़े थे। आपदा मोचन बल के एक सदस्य ने कहा कि, 'हम पीपीई किट पहनकर आए थे, लेकिन तापमान इतना ज्यादा था कि काम करना मुश्किल हो रहा था। हर तरफ मलबा बिखरा हुआ था। इसलिए हमें पहले सुलगते हुए मलबे को हटाना पड़ा। इस अकल्पनीय भयानक दुर्घटना के कारणों पर निश्चयात्मक टिप्पणी जांच के बाद ही की जा सकती है। घटनास्थल पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी सहित सभी प्रमुख एजेंसियों का पहुंचना बताता है कि सरकार ने किसी भी पहलू को नकारा नहीं है। सोशल मीडिया पर जाएं तो ऐसी हजारों टिप्पणियां है जिनमें षड़यंत्र की बात की जा रही है और उसी तरह के तर्क भी दिए गए हैं।

विशेषज्ञ इसके कई कारणों की बात कर रहे हैं किंतु उनके बीच भी एकमत नहीं। विमान के टेकऑफ करने के ठीक बाद कॉकपिट में मौजूद पायलटों ने मे डे कॉल दिया था। भारत के उड्डयन नियामक- डीजीसीए के मुताबिक, इस मे डे कॉल के बाद जहाज से और कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। यह साफ नहीं है कि आखिर मे डे कॉल क्यों दी गई। जैसा पहले बताया जा चुका है टेकऑफ के बाद विमान 625 फीट यानी 190 मीटर ऊंचाई तक गया। इसके बाद यह लगातार नीचे जाता दिखा और इसके बाद पेड़ और इमारतों के बीच गिर गया। इसके बाद विमान को आग के गोले में बदलता देखा गया।

इसका अर्थ हुआ कि विमान का टेकऑफ सफल रहा था। टेकऑफ के ठीक बाद ही यह ज्यादा ऊंचाई हासिल नहीं कर सका। कहा गया कि एयरक्राफ्ट टेकऑफ के बाद जरूरी थ्रस्ट पैदा नहीं कर पाया और नाकाम हो गया। खैर, ब्लैक बॉक्स के विश्लेषण से दुर्घटना का कारण जाना जा सकेगा। किंतु उन कारणों के पीछे के कारण का भी पता चल जाए इसके बारे में निश्चयात्मक रूप से कहना कठिन है। यह एक सर्वमान्य सत्य है कि किसी भी घटना और दुर्घटना को टाला नहीं जा सकता। मनुष्य निर्मित जितनी व्यवस्थाएं हैं उन सबकी सीमाएं ऐसी घटनाएं स्पष्ट कर देती हैं। हम एयर इंडिया या भारत में विमान परिचालन के अनेक कमियों की ओर इशारा कर सकते हैं। किंतु ऐसी कोई व्यवस्था या परिचालन तंत्र नहीं जो दुर्घटना न होने की गारंटी दे सके।

बोइंग दुनिया की जानी-मानी कंपनी और कई हजार किलोमीटर उड़ान भरने के प्रशिक्षित पायलट के रहते दुर्घटना हुई। हम हर तरह से सुरक्षित व्यवस्था करने की कोशिश करें। किंतु न भूलें कि मनुष्य के रूप में हमारी सीमाएं बिल्कुल स्पष्ट हो जाती हैं। मनुष्य की आयु निश्चित होने की बात हमें स्वीकार करनी चाहिए। नियति और कर्म फल को आप जो भी शब्द दे दीजिए, अंतत: मुख्य निर्धारक यही है। आखिर विमान मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल से ही क्यों टकराया? निष्कर्ष यही है कि हम जितने क्षण जीवित रहें, सतर्कता बरतें कि एक मनुष्य के रूप में हम पैदा क्यों हुए हैं और मृत्यु तक हमारे दायित्व क्या हैं। जब तक जिएं अच्छे कर्म करें जो समाज की भलाई में काम आए।

बनी होप कैच अवैध करार

मनोज चतुर्वेदी

पिछले साल टी-20 विश्व कप के फाइनल में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने डेविड मिलर का कैच पकड़कर पांसा पलट दिया था। इस कैच को यादगार कैचों में शुमार किया जाता है। पर रोमांच पैदा करने वाले इस तरह के कैच अब देखने को नहीं मिलेंगे। बनी होप कहलाने वाले इन कैचों को आईसीसी के नियम बनाने वाली संस्था मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने अवैध करार दे दिया है। इस तरह के कैचों के लिए अब नया नियम बना दिया है।

एमसीसी द्वारा बनाए नए नियम के हिसाब से कोई खिलाड़ी बाउंड्री लाइन पर मौजूद फील्डर यदि कैच पकड़ने के लिए उछलता है और वह गेंद पकढ़ते समय समझता है कि वह सीमा रेखा के बाहर जा रहा है तो वह गेंद को उछालकर सीमा रेखा के अंदर पकड़कर ही कैच पूरा कर सकता है। अगर वह गेंद सीमा रेखा के बाहर उछालकर और फिर बाहर जाकर हवा में रहते हुए, फिर से गेंद को अंदर उछालकर पड़ता है तो इस कैच को मान्य नहीं माना जाएगा। इसके अलावा खिलाड़ी ने बाउंड्री लाइन से बाहर जाकर हवा में रखकर गेंद उछाली तो खुद उसे ही मैदान में अंदर आकर पकड़ना होगा। अगर कोई दूसरा फील्डर इस मैच को पकड़ता है तो इसे अमान्य कर दिया जाएगा। क्रिकेट नियमों बदलाव एक अनवरत प्रक्रिया है।

खेल को और रुचिकर बनाने के उद्देश्य से नियमों में बदलाव हमेशा ही होते रहे हैं। इन नियमों में बदलाव का उद्देश्य एक तो बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों में संतुलन बनाए रखना होता है। पिछले कुछ सालों में बनी होप कैचों ने क्रिकेट में नया रोमांच तो पैदा किया है। पर कई बार दर्शकों को लगता है कि यह बल्लेबाजों के प्रति अन्याय है और जिस शॉट पर उसे छक्का मिलना चाहिए था, उस पर उसे आउट दे दिया गया। 2023 की बिग बैश लीग में माइकल नेसर द्वारा पकड़े एक कैच पर सवाल उठे।

इसी तरह बिग बैश लीग में ही 2020 में मैथ्यूवेड के कैच को लेकर भी सवाल उठे तो इस पर आईसीसी ने कैच के इस नियम की एमसीसी से समीक्षा करने को कहा था। एमसीसी ने समीक्षा के दौरान पाया कि यदि गेंद को उछालने वाला ही मैदान में अंदर आकर कैच पकड़े तब ही कैच मान्य होगा। मैथ्यू वेड के कैच मामले में मैट रैनशॉ बाहर से अंदर गेंद उछालने के बाद खुद बाहर ही गिर गए थे। अब नये नियम में सिर्फ एक बार ही गेंद को हवा में उछाला जा सकेगा। यह नियम श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच 17 जून से गॉल में खेले जाने वाले टेस्ट से लागू होगा। असल में इस टेस्ट से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की नई साइकिल शुरू हो रही है।

एमसीसी अधिकृत तौर पर इस नियम को अक्टूबर 2026 से लागू करेगा। आईसीसी क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने के लिए नियमों में बदलाव करता रहता है। इस सोच का ही नतीजा है कि टेस्ट मैचों से शुरुआत के बाद यह वनडे और टी-20 प्रारूप तक आ पहुंचा है। साथ ही आईसीसी की क्रिकेट समिति भी समय-समय पर हालात के हिसाब से नियमों में बदलाव करती रहती है। जिस तरह कोविड के समय में लार के माध्यम से वह फैल सकता था, तो गेंद की चमक बनाए रखने के लिए लार के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। इसके लिए गेंदबाजों ने पसीने का इस्तेमाल करना शुरू किया, लेकिन लार के इस्तेमाल पर रोक से गेंदबाजों को रिवर्स स्विंग में दिक्कत आने लगी, क्योंकि वह गेंद की एक साइड को चमका नहीं पा रहे थे।

पर आईपीएल के इस सत्र में लार के इस्तेमाल की छूट दे दी गई। हम सभी जानते हैं कि क्रिकेटप्रेमियों को स्टेडियम तक खींचकर लाने में बल्लेबाजों के विस्फोटक अंदाज की सबसे अहम भूमिका होती है। ऐसा नहीं है कि क्रिकेटप्रेमी अच्छी गेंदबाजी को पसंद नहीं करते हैं। पर उन्हें मजा चौके-छक्के देखने में ही आता है। इस कारण ज्यादातर नियम बल्लेबाजों के पक्ष वाले ही होते हैं, क्योंकि ज्यादा से ज्यादा लोगों के मैच देखने का आईसीसी की कमाई से सीधा संबंध होता है। पर आईसीसी इस बात का ख्याल भी रखता है कि बल्लेबाजी और गेंदबाजी में संतुलन बना रहे।

इसी को ध्यान में रखकर वनडे मैचों में दो गेंदों के इस्तेमाल की शुरुआत हुई, क्योंकि पहले गेंद पुरानी होते ही बल्लेबाज हावी हो जाया करते थे। पर एमसीसी ने दो गेंदों के नियम में भी थोड़ा बदलाव किया है। अभी तक 50 ओवर के मैच में एक गेंद से 25 ओवर फेंके जाते थे। पर नए नियम के मुताबिक वनडे मैचों में 34 ओवर तक दो गेंदों से गेंदबाजी होगी और बाकी 16 ओवरों के लिए फील्डिंग टीम इन दो गेंदों में से किसी एक गेंद का इस्तेमाल कर सकेगी।

आईसीसी ने कुछ सालों पहले खेल रहे किसी खिलाड़ी के चोटिल होने पर उसकी जगह खिलाड़ी देने के लिए कन्कशन नियम बनाया था। इसमें खिलाड़ी के चोटिल होने पर ही बताया जाता था कि उसकी जगह किसे खिलाएंगे, लेकिन अब टीमों को मैच शुरू होने से पहले मैच रेफरी को कन्कशन के लिए पांच खिलाड़ियों की सूची सौंपनी होगी। इसमें एक बल्लेबाज, एक कीपर, एक तेज गेंदबाज, एक स्पिनर और एक ऑलराउंडर का नाम शामिल करना होगा।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

परमेश्वरी मंदिर रिसाली में शीतला माता जुड़वास पूजा श्रद्धा-भक्ति के साथ संपन्न

भिलाई। परमेश्वरी मंदिर प्रगति नगर रिसाली में मंगलवार को संध्या समय शीतला माता जुड़वास पूजा का विशेष आयोजन श्रद्धा-भक्ति के साथ संपन्न हुआ। आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष में माता शीतला को प्रसन्न करने तथा समाज के लोगों को समस्त बीमारी एवं महामारी रोगों से मुक्त रखने के लिए जुड़वास पूजा की जाती है। इसे माता पहुंचनी भी कहा जाता है। यह पूजा महाप्रभु जगन्नाथ जी की रथयात्रा के बाद गुप्त नवरात्रि में मनाया जाता है। पूजा में देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन मुख्य यजमान थे। पूजा में शीतला माता से देवांगन समाज के सभी सदस्यों एवं भक्तों के लिए आरोग्य, सुख शांति और समृद्धि की कामना की गई। मंदिर के पुजारी पं. विनय मिश्रा ने विधि विधान से माता की जुड़वास पूजा संपन्न कराई। पूजा के बाद मंदिर में आरती हुई और भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। जसगीत प्रभारी जयश्री देवांगन के नेतृत्व में बाजे-गाजे के साथ माता सेवा गीत एवं भजन प्रस्तुत किया गया।

सोलर पैनल से चलेगा अंडर ब्रिज का मोटर, बिजली की बचत होगी

भिलाई। चंद्रा-मौर्या अंडर ब्रिज में बारिश का पानी भर जाता है, जिसे बाहर निकालने निगम ने यहां मोटर लगा रखा है। वह भी दिनभर चलता है। इसलिए बिजली का बिल काफी ज्यादा आता है। ऐसे में निगम प्रशासन ने बिजली बिल से राहत पाने योजना बनाई है। अंडर?ब्रिज में सोलर पैनल लगाया जाएगा, जिससे सूरज की रौशनी से बिजली उत्पादन होगा और इसी से अंडर ब्रिज में लगी मोटर चलेगी। इसके लिए कुछ माह पहले महापौर परिषद ने प्रस्ताव पास कर दिया है, लेकिन अब तक काम शुरू नहीं हो पाया है। बुधवार को निगम आयुक्त राजीव पांडेय अंडर?ब्रिज का निरीक्षण करने पहुंचे। देखा कि यहां बारिश का पानी भर रहा है, लेकिन मोटर के चलने से रास्ता जाम होने जैसी नौबत नहीं है। आयुक्त ने जोन आयुक्त और इंजीनियरों को निर्देश दिया कि सोलर पैनल लगाने का काम जल्द शुरू किया जाए। कहां पर पैनल लगाए जाएंगे।

स्कूल में बच्चों ने अपने अभिभावकों का सम्मान किया

दुर्ग। कृष्णा पब्लिक स्कूल, सिंधिया नगर, दुर्ग में विद्यालय की प्राचार्य फ्लोमिना मित्रा की अध्यक्षता में हमारे पिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सबसे पहले छात्रों ने अभिभावकों का सम्मान किया। शिक्षिकाओं द्वारा बनाए गए उपहार को भेंट स्वरूप दिया। विद्यालय की ओर से एक नई पहल की शुरुआत की गई, जिसके अंतर्गत छात्रों के साथ अभिभावकों को फिल्म दिखाने का आयोजन रखा गया। इस पहल के पीछे मुख्य उद्देश्य बच्चों को पारिवारिक मूल्यों से परिचित कराना।

सेल-बीएसपी ने ब्लूम गुणवत्ता में ऐतिहासिक सुधार : एसएमएस-2 में तकनीकी नवाचार और नेतृत्व की भूमिका रही अहम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने गुणवत्ता संवर्द्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपने स्टील मेल्टिंग शॉप-2 (एसएमएस-2) में ब्लूम कास्टिंग की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है। यह सुधार विशेष रूप से मशीन-5 से उत्पादित ब्लूम्स की गुणवत्ता में देखने को मिला है, जो रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल (आरएसएम) तथा यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) के लिए प्रमुख आपूर्ति स्रोत है।

मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-2) एस.के. घोषाल के नेतृत्व में, महाप्रबंधक प्रभारी (यांत्रिकी, सीसीएस) टी. गोविंद, महाप्रबंधक (यांत्रिकी, सीसीएस) एन.के. देथे तथा महाप्रबंधक प्रभारी (सीसीएस प्रचालन) एस. देबसीकदर की टीम ने इस सुधार यात्रा की शुरुआत की। टीम एसएमएस-2 द्वारा की गई गहन 'रूट कॉज एनालिसिस' में पाया गया कि सेकेंडरी कूलिंग ज़ोन के 'एयर मिस्ट सिस्टम' में व्याप्त तकनीकी कमियाँ ब्लूम की सर्फेस गुणवत्ता और आंतरिक साउंडनेस को प्रभावित कर रही थीं।

इस निष्कर्ष के आधार पर 18 मार्च 2024 को एक आईपीयू प्रस्ताव तैयार किया गया। इसके अंतर्गत वैष्विक स्प्रे कूलिंग टेक्नोलॉजी में अग्रणी कंपनी मेसर्स लेच्लर को कार्यादेश सौंपा गया। अप्रैल 2025 के पहले सप्ताह में ब्लूम कास्टर की सभी चार स्ट्रैंड्स पर अपग्रेडेड एयर मिस्ट कूलिंग सिस्टम की सफलतापूर्वक कमीशनिंग की गयी।

इस तकनीकी हस्तक्षेप के परिणाम त्वरित और प्रभावशाली रहे। एसएमएस-2 से कास्ट किए गए 130-मीटर श्रेणी के ब्लूम्स की गुणवत्ता वित्त वर्ष 2024-25 में 60 प्रतिषत थी, जो वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में बढ़कर औसतन 77.36 प्रतिषत हो गई। इसी प्रकार, 117-मीटर श्रेणी में यह सुधार 84.01 प्रतिषत से बढ़कर 93.60 प्रतिषत तक पहुँच गया। ये आंकड़े तकनीकी समाधान की प्रभावशीलता और एसएमएस-2 टीम की निष्कलंक निष्पादन क्षमता को दर्शाते हैं।

ब्लूम गुणवत्ता में इस उल्लेखनीय सुधार का सीधा लाभ रेल उत्पादन में भी परिलक्षित हुआ। यूनिवर्सल रेल मिल में एसएमएस-2 से प्राप्त ब्लूम्स का उपयोग कर बनाए गए रेलों की श्प्राइम एक्सेप्टेंस रेटश् अप्रैल से जून 2025 की अवधि में 93.05 प्रतिषत से बढ़कर 96.94 प्रतिषत हो गई। वहीं कुल एक्सेप्टेंस रेट वित्त वर्ष 2024-25 में 97.74 प्रतिषत से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 98.84 प्रतिषत हो गया, जो कि उत्पाद प्रक्रिया की सुसंगतता और विष्वसनीयता में बढ़ोत्तरी को दर्शाता है।

यह तकनीकी उन्नयन भिलाई इस्पात संयंत्र की परिचालन दक्षता को और सुदृढ़ करेगा तथा गुणवत्ता और नवाचार के प्रति संयंत्र की प्रतिबद्धता को मजबूत बनाते हुए भारत के अधोसंरचना विकास में इसकी भूमिका को और सशक्त करेगा।

बिहार दौरे पर विधायक देवेन्द्र यादव : देव सूर्यमंदिर के किए दर्शन, देशवासियों के लिए की सुख-शांति की कामना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव बिहार दौरे पर हैं। बिहार दौरे के दौरान औरंगाबाद जिले के देव स्थित ऐतिहासिक त्रेतायुगीन पश्चिमाभिमुख सूर्य मंदिर में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और देशवासियों के लिए समृद्धि, शांति और खुशहाली की मंगलकामना की।

इस पावन अवसर पर विधायक देवेन्द्र ने मंदिर की ऐतिहासिकता और सांस्कृतिक गौरव को नमन करते हुए कहा कि देव सूर्य मंदिर आस्था, संस्कृति और ऊर्जा का संगम स्थल है। यहां आकर आत्मिक शांति की अनुभूति होती है। दर्शन के उपरांत विधायक यादव ने औरंगाबाद जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने विधायक यादव का आत्मीय स्वागत किया

और क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय राजनीतिक विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

कार्यकर्ताओं ने विधायक को स्मृति चिन्ह स्वरूप मंदिर की प्रतिमा भेंट की, जिसे यादव ने ससम्मान स्वीकार किया और इसे जीवन की एक यादगार उपलब्धि बताया। कार्यकर्ताओं में देवेन्द्र यादव से मुलाकात को लेकर उत्साह और ऊर्जा का वातावरण रहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विचारधारा को मजबूत करने के लिए युवा नेतृत्व का मार्गदर्शन आवश्यक है और यादव जैसे नेता प्रेरणास्रोत हैं।

मर्चेंट एंड वायर रॉड मिल विभाग के कर्मियों को मिला कर्म शिरोमणि सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के मिल्स ज़ोन-1 के अंतर्गत मर्चेंट एंड वायर रॉड मिल विभाग द्वारा 01 जुलाई 2025 को कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य कार्यस्थल पर उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करना, संसाधनों का दक्षतापूर्वक उपयोग करना, कार्य में नवीनता लाना, तथा उच्च स्तर की सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए प्रेरणादायक कार्य करने वाले कर्मचारियों को पहचान प्रदान करना था।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक मुनीश कुमार गोयल उपस्थित रहे। उन्होंने पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मियों को बधाई दी व अपने संबोधन में उन्होंने कार्यस्थल पर सभी सुरक्षा उपकरणों के प्रयोग, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग एवं उच्च उत्पादकता प्राप्त करने के लिए समर्पित प्रयासों पर बल दिया।

मर्चेंट मिल विभाग से इंजीनियरिंग एसोसिएट रविकांत महाजन, इंजीनियरिंग एसोसिएट तिलक राज, जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट दीपेश कुमार विष्वास, जूनियर इंजीनियर के.बी. रोशन, चार्जमैन कम मास्टर तकनीशियन मोहन लाल सिन्हा एवं इंजीनियरिंग एसोसिएट अश्विनी कुमार साहू को कर्म शिरोमणि पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं वायर रॉड मिल विभाग से इंजीनियरिंग एसोसिएट समी उल्लाह, इंजीनियरिंग एसोसिएट गैंद लाल ठाकुर, जूनियर इंजीनियर रमेश कुमार, इंजीनियरिंग एसोसिएट जागेष्वर सिंह ठाकुर, इंजीनियरिंग एसोसिएट भागीरथी सिन्हा एवं इंजीनियरिंग एसोसिएट वी. रामचंद्र राव को कर्म शिरोमणि सम्मान प्रदान किया गया।

समारोह में महाप्रबंधक एस.के. हरिरमानी, महाप्रबंधक एस.के. नायक एवं महाप्रबंधक श्रीमती अनुपमा कुमारी वायर रॉड मिल की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन उप प्रबंधक समायला अंसारी द्वारा किया गया। कर्म शिरोमणि सम्मान उन कर्मठ कर्मचारियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने माह के दौरान अपने कार्य क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संयंत्र की परिचालन दक्षता और गुणवत्ता में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो।

जनता को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराना मेरी नैतिक जिम्मेदारी हैः ललित चंद्राकर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रिसामा में छत्तीसगढ़ राज्य विकास प्राधिकरण मद अंतर्गत साहू पारा में सामुदायिक भवन निर्माण, धर्मस्व मद अंतर्गत शिव मंदिर एवं राम मंदिर जीर्णोद्धार, तथा मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना अंतर्गत दो सामुदायिक भवन निर्माण कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर सम्मिलित होकर समस्त विकास कार्यों का विधिवत पूजा अर्चना कर लोकार्पण कर ग्रामवासियों को शुभकामनाएं दीं।

यह कार्य ग्राम की सामाजिक एवं सांस्कृतिक उन्नति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो स्थानीय जनजीवन को सुदृढ़ता प्रदान करेगा। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा क्षेत्र के विकास कार्यों में सभी साथ मिलकर काम करेंगे। डबल इंजन की सरकार में राज्य के

साथ हमारा क्षेत्र भी विकास की नई गाथा लिखेगा। चंद्राकर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र हमारे आधार हैं। इनके विकास से पूरे देश का विकास जुड़ा हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं देने के लिए हमारी सरकार सदैव तत्पर है। इसके लिए विभिन्न योजनाएं भी संचालित की जा रही है, जिसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों को भी विकास की गति में बराबर सहयोग किया जा रहा है। क्षेत्र के विकास के लिए पैसा की कमी नहीं होगी धीरे धीर आपके गांव के सभी विकास कार्यों को पूर्ण किया जाएगा।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से सांसद प्रतिनिधि मनोज चंद्राकर, ग्राम सरपंच रोशन लाल साहू, उपसरपंच मन्नूलाल साहू , राजेश चंद्राकर डिलेस्वर (गब्बर) साहू, गीतेश्वर साहू, अजय साहू , भूपेन साहू, टोप सिंह पटेल , ओमप्रकाश धीवर मुकेश साहू, भारत साहू, वंदना साहू, राखी निसाद , माधवी साहू, कल्याणी पटेल, अनिता शर्मा, हीरा यादव , कांति ठाकुर, मनीषा साहू, नंदिनी महरा, कमलेश्वरी सारथी, स्यामा धनकर, पुनिया यादव सहित ग्राम के वरिष्ठ नागरिकगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारी संस्थान में सम्मानित किए गए लोक कलाकार

चरोदा में हुए आयोजन में प्रदेश भर से पहुंचे कला व संस्कृति से जुड़े लोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ज्ञान मोती भवन आदर्श नगर चरोदा में 29 जून को कलाकार सम्मान समारोह का कार्यक्रम रखा गया। जिसमें छत्तीसगढ़ प्रदेश के दूर दराज से अलग अलग विधा के सिद्ध कलाकारों को केंद्र की बहनों ने गमछा व उपहार भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कबीर भजन लोक गीत गायक गीतकार संगीतकार आकाशवाणी दूरदर्शन एवं फिल्म कलाकार एवं छत्तीसगढ़ कलाकार विकास संघ के प्रदेश अध्यक्ष नवल दास मानिकपुरी थे। विशिष्ट अतिथि गायक कलाकार मानसिंह पटेल थे। मुख्य वक्ता के रुप में रायपुर से पहुंची राज

योगिनी चंद्रकला एवं शिवानी विशेष रूप से उपस्थित थी। मुख्य अतिथि नवल दास मानिकपुरी ने अपने उद्बोधन में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय संस्थान को मोक्ष का मार्ग और सभी कलाकारों को एक परिवार का बताया। उन्होंने इस आयोजन के लिए संस्थान का आभार जताया। रायपुर की चंद्रकला ने नशा मुक्ति पर जोर दिया वहीं विशेष अतिथि मानसिंह पटेल ने भी सारगर्भित बातें रखी। मंच संचालन गरिमा व हरीश साहू ने किया। केंद्र की संचालिका शिवानी ने सभी अतिथियों और कलाकारों का आभार व्यक्त किया।

मीरा का भजन सुनाकर समां बांध दिया मानिकपुरी ने कार्यक्रम में उपस्थित कलाकारों ने गीत संगीत की प्रस्तुति दी। वहीं सभी कलाकारों की खास फरमाइश पर नवल दास मानिकपुरी ने मीरा का भजन 'ऐसी लागी लगन मीरा हो गई मगन' गाकर समा बांध दिया।

इनका किया सम्मान

आयोजन में प्रमुख कलाकारों का सम्मान किया गया। इनमें भगवती साहू, हरीश साहू, केशव साहू,उकेश वर्मा, पीलाराम शर्मा, भेखराम देवांगन, मधु यादव, कौशल यादव, राजकुमार बंजारे,चमन वर्मा , चैतराम साहू, संतराम यादव, हेमन्त मढरिया, चिंताराम साहू,सोहन साहू,भरत यादव, विजय घृतलहरे, नवीन यादव, खोमेश यादव, अर्जुन पेंड्रीडीह , जागेश्वर साहू, लीलाधर वर्मा, नारायण दास मानिकपुरी, रमेश सिंह ठाकुर, चेतन देवांगन, कुमारी निषाद, रुही साहू, ढालचंद यादव, शाश्वत पांडेय,विमल विश्वकर्मा, चमेली निषाद, रामकुमार साहू, टीकम पटेल, प्रमोद पटेल, लालाराम पटेल, नरेंद्र यादव, नंदकुमार,बाल मुकुंद मढरिया, विनोद साहू, मनोज निर्मलकर, चिंता राम साहू, विशेष रूप से उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

तीसरी मंजिल पर फटा पाइप मरम्मत का काम तेजी से जारी

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन की तीसरी मंजिल के बाहरी भाग का पाईप अचानक क्षतिग्रस्त हो गया। नगर निगम द्वारा क्षतिग्रस्त पाईप को सुधारने मुख्यालय भवन के पीछे भवन की तीसरी मंजिल के बाहरी भाग में अचानक क्षतिग्रस्त पाईप को बनवाने तत्काल टॉवर लोडर वाहन वहाँ बुलवाया। किन्तु अत्यधिक ऊंचाई के कारण टावर लोडर मशीन की सहायता से भी कार्य नहीं हो पाया।

निर्देशानुसार कार्य की सतत मॉनिटरिंग कर रहे जोन 4 के अधिकारियों के निर्देश पर सुधार कार्य करवाने चैरी (चाल) बनवाकर सुधार कार्य प्रारम्भ किया गया है। क्षतिग्रस्त पाईप लाईन को सुधारने कार्य जल आपूर्ति को बन्द करवाकर प्रारम्भ करवाया गया है, जो तेजी से निरन्तर प्रगति पर है। निर्देशानुसार पानी आपूर्ति सुधार कार्य प्रगति पर होने के कारण बन्द होने पर बाल्टी से पानी की व्यवस्था कर सफाई करवाने कार्य किया जा रहा है, जिससे शीघ्र स्वच्छता कायम हो सकेगी। निर्देशानुसार जोन 4 जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव और कार्यपालन अभियंता शेखर सिंह द्वारा प्रतिदिन सतत मॉनिटरिंग की जा रही है और अतिशीघ्र सुधार कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करने आवश्यक निर्देश दिए जा रहे हैं।

मठपुरैना को कब्जामुक्त किया

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर जोन 10 जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे, कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा सीनियर, दिनेश सिन्हा, सहायक अभियंता सुशील अहीर, योगेश यदु, उप अभियंता रविप्रभात साहू, अजय श्रीवास्तव, मुजगहन एवं टिकरापारा पुलिस थाना बल नगर निवेश जोन 10 एवं प्रधानमंत्री आवास योजना निगम मुख्यालय शाखा के सम्बंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में अभियान चलाकर जोन 10 के तहत काठाडीह रोड मठपुरैना में प्रधानमंत्री आवास योजना आवासीय परिसर में ब्लॉक नंबर 47 और 48 दो ब्लॉक में किये गये देवार डेरा के अवैध कब्जे को हटाने की कार्यवाही की गई।

अवैध कब्जों हटाने के तत्काल पश्चात प्रधानमंत्री आवास योजना में 58 आवासो में मूल आबंटिति हितग्राहियों को आवास का कब्जा दिलवाया गया। इसके अतिरिक्त नगर निगम जोन 10 नगर निवेश विभाग द्वारा मठपुरैना मुख्य मार्ग में अभियान चलाकर अवैध कब्जे हटाते हुए बनायी गयी दुकान और ठेले खोमचो को हटाने की कार्यवाही की गई।

महापौर ने खिलाड़ियों को खेल अभ्यास में अनुशासन बनाए रखने के लिए दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वामी विवेकानंद स्टेडियम कोटा रायपुर में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 15 मई से 13 जून 2025 तक 30 दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का समापन 1 जुलाई 2025 को स्वामी विवेकानंद स्टेडियम कोटा रायपुर में मीनल चौबे महापौर, नगर पालिका निगम रायपुर के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। आयोजन में अभिलाषा पैंकरा, अपर कलेक्टर, सहायक संचालक खेल एवं खेल संघ/संस्थान के सदस्य, व्यायाम शिक्षक, प्रशिक्षक, खिलाड़ी शामिल हुए। प्रवेश जोशी, खेल अधिकारी द्वारा प्रतिवेदन पाठन किया गया।

समापन में फुटबाल, हैण्डबाल, वॉलीबाल, बास्केटबाल, एथलेटिक्स, हॉकी, नेटबाल, कबडडी, कराते, टेनिक्वाईट, किक बॉक्सिंग, टेबल टेनिस, खो-खो, स्क्वेश, जम्परोप, ताईक्वांडो, आरचरी, क्याकिंग केनाईंग, सॉफ्टबाल, जिमनास्टिक, बेसबॉल, कुश्ती, भारोत्तोलन, फेंसिंग खेलों के लगभग 500 खिलाड़ी उपस्थित थे। शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 70 खिलाड़ियों व 55 प्रशिक्षकों को पुरस्कृत एवं खेल सामग्री प्रदाय किया गया। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि मीनल चौबे महापौर नगर निगम रायपुर ने अनुशासन के साथ खिलाड़ियों को आगे बढ़ने व नियमित खेल अभ्यास करते रहने के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर खेल संघ,संस्थान, व्यायाम शिक्षक, प्रशिक्षक उपस्थित थे। 30 दिवसीय शिविर में 24 खेलों के 1427 बालक / बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया। टी. निंगराज रेड्डी, वरिष्ठ प्रशिक्षक द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

छत्तीसगढ़ राज्य में स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ कर रहे हैं आधुनिक आइसोलेशन वार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोविड-19 जैसी महामारियों से निपटने की तैयारी को मजबूत करने और आमजन तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से ठोस कदम उठाए हैं। इमरजेंसी कोविड रिस्पांस एंड हेल्थ सिस्टम प्रिपेयर्डनेस पैकेज (ईसीआरपी) के तहत प्रदेश के 571 स्वास्थ्य केंद्रों जिसमें 62 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 385 उप-स्वास्थ्य केंद्र एवं 124 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। इसमें अतिरिक्त आइसोलेशन वार्ड स्वीकृत किए गए। इनमें से 422 भवनों का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है और 141 वार्ड तेजी से निर्माणाधीन हैं। ये सभी आइसोलेशन वार्ड न केवल भविष्य की स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए तैयार रहेंगे, बल्कि वर्तमान में स्वास्थ्य व्यवस्था को व्यापक और सशक्त बनाने में योगदान कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि नाबार्ड पोषित योजना के अंतर्गत भी राज्य में व्यापक स्तर पर आइसोलेशन सुविधाओं का विकास हुआ है। इस योजना के तहत 25 जिला अस्पतालों में 20 बिस्तरों के और 170 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 10 बिस्तरों के आधुनिक आइसोलेशन वार्ड स्थापित किए गए हैं, जिनका निर्माण कोविड महामारी के दौरान मरीजों के पृथक उपचार के लिए किया गया था। वर्तमान में महामारी के अभाव में इन भवनों का नवाचारपूर्ण वैकल्पिक उपयोग किया जा रहा है। कहीं इन्हें चिकित्सा उपकरणों एवं दवाओं के सुरक्षित भंडारण के लिए स्टोर रूम के रूप में प्रयोग किया जा रहा है, तो कहीं इन्हें प्रशिक्षण केंद्र एवं बैठक कक्ष के रूप में उपयोग में लाया जा रहा है।आइसोलेशन भवनों ने स्वास्थ्य संस्थानों की कार्यक्षमता को कई गुना बढ़ा दिया है। इनके बहुउद्देशीय उपयोग से स्वास्थ्य कर्मियों के कार्य संचालन में सुविधा मिली है और आकस्मिक परिस्थितियों में त्वरित तैयारियों की क्षमता भी सशक्त हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि रतनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आइसोलेशन वार्ड का भवन तकनीकी कारणों से अभी तक हैंडओवर नहीं हो सका है। जल्द ही आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण कर इसे भी स्वास्थ्य सेवाओं में सम्मिलित किया जाएगा। इन सभी आइसोलेशन वार्डों को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि आवश्यकता पड़ने पर अल्प सूचना में ही इन्हें सक्रिय किया जा सके। राज्य सरकार की यह पहल छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़, सक्षम और भविष्य के लिए पूरी तरह तैयार बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डॉक्टर्स डे पर डॉक्टरों का किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर आज नारायणा हॉस्पिटल के एमडी डॉक्टर सुनील खेमका, सुयश अस्पताल के एमडी डॉ. मनोज लाहोटी एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. एवं पार्षद अनामिका सिंग, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. शोएब खान ,स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.नीना सक्सेना एवं नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉ. अरविंद सक्सेना का शॉल-श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया।

जानकारी देते हुए सम्मेलन के महामंत्री एवं प्रवक्ता राजकुमार राठी ने बताया की सभी डॉक्टरों का सम्मान कर उनके द्वारा कोरोना काल में अपने जीवन की परवाह ना करते हुए छत्तीसगढ़ की जनता की चिंता कर समुचित इलाज उपलब्ध कराकर हजारों व्यक्तियों का जीवन बचाने के लिए आभार व्यक्त कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रदेश अध्यक्ष योगेश अग्रवाल, महामंत्री राजकुमार राठी, शिवरतन गुप्ता, सुब्रत घोष किशोरचंद्र नायक संतोष श्रीवास्तव अखिल चटर्जी,अजय पनीकर उपस्थित रहे।

चातुर्मास के दौरान 500 बुजुर्गों को श्रवण यन्त्र प्रदान करेगा जैन संवेदना ट्रस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जैन संवेदना ट्रस्ट इस वर्ष जीवदया, मानव कल्याण व साधर्मिक भक्ति का चातुर्मास मनाएगा । महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि जियो और जीने दो भगवान महावीर स्वामी ने मूलमंत्र विश्व को दिया है। चातुर्मास काल में दया करूणा अहिंसा भाईचारा के गुणों का हमारे जीवन में विकास होना चाहिये।

जैन संवेदना ट्रस्ट चातुर्मास में मूक पशु पक्षियों की सेवा, मानव सेवा के अंतर्गत श्रवण यन्त्र , कृत्रिम हाथ , कैलिपर्स , वैशाखी , बी पी नापने की मशीन , शुगर टेस्टिंग मशीन का नि:शुल्क वितरण तथा मानव कल्याण में साधर्मिक भाई बहनों के स्वावलंबी जीवन , व्यवसायिक उत्थान व विवाह योजना पर कार्य करेंगे। जैन चातुर्मास हेतु गुरुभगवंतों के मंगलप्रवेश अवसर पर जैन संवेदना ट्रस्ट ने बुधवार से मानव सेवा साधर्मिक भक्ति व अनुकम्पा प्रकल्प का आरम्भ किया है। ऋषभदेव जैन मंदिर प्रांगण में 23 दिव्यांगों को श्रवण यन्त्र वितरित किए गए। जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने इस अवसर पर कहा कि मानवता की सेवा जीवन का सर्वोत्तम कार्य है। जीवन भर सुनने के बाद जब बुढ़ापे में कम सुनाई देने लगता है तो बड़ी समस्या पैदा हो जाती है । इस वक़्त श्रवण यन्त्र ही बड़ा सहारा होता है।

जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा गूंगे बहरे लोगों का परीक्षण कर श्रवण यंत्र का वितरण किया जाता है। ट्रस्ट के गुलाब दस्सानी ने बताया कि 3 बच्चों में देवकी को जन्म से सुनाई नही देता था, डॉक्टरों ने जांच कर बताया कि श्रवण यन्त्र लगाकर देवकी सुन सकती है। आज श्रवण यन्त्र लगाकर चारों बच्चे सुनने लगे हैं। सभी के माता पिता प्रफुल्लित होकर जैन समाज का आभार जताया है । जैन संवेदना ट्रस्ट के चन्द्रेश शाह व महावीर कोचर ने बताया कि चातुर्मास में 500 बुजुर्गों व बच्चों को श्रवण यन्त्र , कृत्रिम हाथ , कैलिपर्स बैशाखियों का वितरण व 200 साधर्मिक परिवारों को बी पी शुगर मशीनों का सहयोग किया जावेगा।

छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण का बड़ा कदम बिना पंजीकरण वाले 106 प्रोजेक्ट्स पर कसा शिकंजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण ने राज्य में रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक कड़ा कदम उठाया है। प्राधिकरण ने ऐसे 106 प्रोजेक्ट्स की पहचान की है जो टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग से स्वीकृत होने के बावजूद अब तक रेरा अधिनियम के तहत पंजीकृत नहीं हुए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इन प्रोजेक्ट्स का निर्माण अथवा विक्रय कार्य बिना वैधानिक रेरा पंजीकरण के किया जा रहा था, जो कि न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि उपभोक्ताओं के हितों के लिए भी अत्यंत नुकसानदेह है।

प्राधिकरण ने इन सभी प्रोजेक्ट्स के प्रमोटरों को नोटिस जारी करते हुए उनसे स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही यह स्पष्ट किया गया है कि रेरा अधिनियम, 2016 का पालन सुनिश्चित करना प्रत्येक प्रमोटर की जिम्मेदारी है। प्राधिकरण ने जानकारी दी है कि पिछले सात वर्षों में 136 प्रोजेक्ट्स के विरुद्ध स्वत: संज्ञान लेते हुए कार्यवाही की गई है, जिनमें प्रमोटरों द्वारा बिना पंजीकरण कार्य संचालित किया गया था।

रेरा अधिनियम के अनुसार, बिना पंजीकरण प्रोजेक्ट संचालित करने पर पंजीकरण शुल्क का 400 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क और परियोजना लागत का 10 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया जा सकता है। रेरा अधिनियम की यही विशेषता है कि वह न केवल उपभोक्ताओं को सुरक्षित निवेश का वातावरण देता है, बल्कि रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता और समयबद्धता भी सुनिश्चित करता है।

सीजी रेरा ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की संपत्ति जैसे फ्लैट, प्लॉट, विला या व्यावसायिक इकाई खरीदने से पहले यह अवश्य जांच लें कि संबंधित परियोजना रेरा में पंजीकृत है या नहीं। इसके लिए https://rera.cgstate.gov.in/ पोर्टल पर जाकर परियोजना की पंजीकरण स्थिति की जांच की जा सकती है। वहीं, प्रमोटरों को भी सलाह दी गई है कि वे अपनी परियोजनाओं को विधिवत रजिस्ट्रेशन कराएं ताकि किसी प्रकार की शास्ति या कानूनी कार्यवाही से बचा जा सके।

प्राधिकरण का उद्देश्य स्पष्ट है कि वह उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना चाहता है और अनियमित एवं अराजक प्रोजेक्ट्स पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना चाहता है। घर खरीदने से पहले रेरा पंजीयन की पुष्टि अवश्य करें, इसी संदेश के साथ सीजी रेरा ने जिम्मेदार नागरिकों और ईमानदार डेवलपर्स से सहयोग की अपील की है।

हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाना केंद्र सरकार की प्राथमिकता: बृजमोहन

रायपुर। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का संकल्प है कि देश का प्रत्येक बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाए, युवाओं की प्रतिभा को पहचान मिले और खेल व कौशल विकास के ज़रिए भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं।

सांसद अग्रवाल ने मंगलवार को संसद की शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी स्थायी समिति के अध्ययन दौरे के अंतर्गत वाराणसी में आयोजित बैठक में देश के शिक्षा क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहित करने, मूलभूत ढांचे को सशक्त बनाने, युवाओं की खेलों में भागीदारी बढ़ाने और वित्तीय समावेश सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक संवाद किया। उन्होंने कहा कि ऐसी समितियां नीतिगत निर्णयों के लिए ज़मीन से जुड़ी समस्याओं को सामने लाने का सशक्त माध्यम होती हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र सरकार के प्रयासों और राज्य सरकारों के सहयोग से देश के शिक्षा और युवा विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार देखने को मिलेंगे।

बैठक में बृजमोहन अग्रवाल ने विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में शिक्षा के ढांचे पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि राज्य में वर्तमान में लगभग 1,32,000 प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्कूल संचालित हैं, परंतु प्राथमिक और मिडिल स्कूलों की तुलना में हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों की संख्या बेहद कम है। इस असंतुलन के चलते बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं को उच्च कक्षाओं में प्रवेश के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि इस दिशा में शीघ्र कदम उठाते हुए हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों की संख्या में वृद्धि की जाए।

इस महत्वपूर्ण बैठक में समिति के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह सहित समिति के सदस्यगण और विभिन्न मंत्रालयों व संस्थानों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। इनमें प्रमुख रूप से स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार; केंद्रीय विद्यालय संगठन (KVS); युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार; उत्तर प्रदेश खेल विभाग; वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार; पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय; भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI); GAIL, IOCL, HPCL, BPCL तथा बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफइंडिया और यूनियन बैंक ऑफइंडिया के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

छह जुलाई से शुरू होगी दुर्ग-पटना स्पेशल ट्रेन, बाबा धाम जाने में मिलेगी सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय रेलवे ने बाबा धाम दर्शन को जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए बड़ा ऐलान किया है, जहां दुर्ग से पटना के बीच एक साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया गया है। 21 कोच की इस ट्रेन में 1008 बर्थ उपलब्ध है और यह छह जुलाई से पटरी पर दौड़ेगी। इस ट्रेन के परिचालन से एक लाभ यह भी होगा कि इस रेल मार्ग पर चलने वाली नियमित ट्रेनों में भीड़ का दबाव भी कम होगा। साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 08795 नंबर के साथ दुर्ग से प्रत्येक रविवार यानी 06, 13, 20 एवं 27 जुलाई को रवाना होगी। इसी तरह विपरीत दिशा 08796 नंबर के साथ पटना से प्रत्येक सोमवार को छूटेगी। इस ट्रेन की सुविधा 07, 14, 21 व 28 जुलाई को मिलेगी।

ट्रेन की समय-सारिणी एक नजर में

दुर्ग- पटना स्पेशल ट्रेन दुर्ग से 13.15 बजे रवाना होकर रायपुर 14.00 बजे, भाटापारा 14.55 बजे और बिलासपुर 15.55 पहुंचकर 16.05 बजे रवाना होगी। इसके बाद चांपा 16.55 बजे, रायगढ़ 18.35 बजे, झारसुगड़ा 20.30 बजे, राउरकेला 22.15 बजे, हटिया 01. 15 बजे, रांची 01.35 बजे, मुरी जंक्शन 02.48 बजे, बोकारो स्टील सिटी 04.00 बजे, छपरा 04.53 बजे, कतरासगढ़ 05.30 बजे, धनबाद 07.05 बजे, चित्तरंजन 08.41 बजे, मधुपुर जंक्शन 09.40 बजे, जसीडीह जंक्शन 10.38 बजे, झाझा 12.00 बजे, किऊल जंक्शन 12.50 बजे, मोकामा 13.22 बजे, बाढ़ 13.43 बजे, बख्तियारपुर 14.00 बजे, फतवा 14.22 बजे, पटना साहेब 14.40 बजे, राजेंद्र नगर टर्मिनल 15.00 बजे व पटना रेलवे स्टेशन में 15.30 बजे पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन पटना से 17.5 बजे रवाना होगी।

महंत कॉलेज में हुआ सीए दिवस का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महंत लक्ष्मीनारायण दास कॉलेज के वाणिज्य एवं प्रबंध विभाग द्वारा सीए दिवस का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाविद्यालय के पूर्व छात्र सीए अनूप श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय मे प्राचार्य डॉ. देवाशीष मुखर्जी ने की।

प्राचार्य डॉ. मुखर्जी ने अपने उद्बोधन में सीए दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 01 जुलाई 1949 को इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की स्थापना हुई थी। तभी से इस दिन स ए दिवस मनाया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने सी.ए. के कार्य एवं जिम्मेदारियों के विषय में जानकारी दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनूप श्रीवास्तव ने अपने सी.ए कॅरियर की शुरुवात के संबंध में जानकारी दी। इसके साथ उन्होंने महाविद्यालय में अपने बिताए पल को भी याद करते हुए बताया कि कैसे उन्हें अपने प्रोफेसरों से अकाउंट की बारीकियों को सीखने मिला।

कार्यक्रम में वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग द्वारा मुख्य अतिथि सीए अनूप श्रीवास्तव का स्मृति चिन्ह भेंटकर शुभकामनाएँ दी गई। इसके साथ ही उन्होंने महाविद्यालय के विद्यार्थियों को सहयोग प्रदान करने का संकल्प किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर ललित मोहन वर्मा एवं आभार प्रदर्शन प्रोफेसर प्रीतम कुमार दास ने किया।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

गोल्डन ड्रेस में सोनल चौहान ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान, फैंस बोले- कभी भी न हटाएं!

एक्ट्रेस सोनल चौहान ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी कुछ बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। गोल्डन बॉडीकॉन ड्रेस में सोनल का यह फोटोशूट इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। इन तस्वीरों में सोनल चौहान गोल्डन शिमरी ड्रेस में नजर आ रही हैं, जो उनकी फिगर को खूबसूरती से कॉम्प्लीमेंट कर रही है।

रेड बैकग्राउंड और सॉफ्ट लाइटिंग में खिंची गई इन तस्वीरों ने उनके लुक को और भी ग्लैमरस बना दिया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में कैप्शन लिखा – अगर आपको इनमें से एक तस्वीर हटानी हो तो आप कौन सी तस्वीर हटाएंगे? लेकिन फैंस का कहना है कि इन तस्वीरों में से कोई भी डिलीट नहीं होनी चाहिए क्योंकि ये सभी शुद्ध सोना हैं।

एक यूजर ने कमेंट किया – क्या तुम मजाक कर रहे हो? यह शुद्ध सोना है। इसे कभी मत हटाना! वहीं कई फैंस ने हार्ट और फायर इमोजी के साथ उनके इस लुक की जमकर तारीफ की है। ड्रेस के साथ-साथ सोनल के मेकअप, हेयर और ज्वेलरी की भी खूब चर्चा हो रही है।

उन्होंने अपने लुक को ईयररिंग्स, एक हाथ में ब्रैसलेट और सॉफ्ट कर्ल हेयरस्टाइल के साथ कम्प्लीट किया है। यह फोटोशूट फराजदाक स्टूडियो द्वारा शूट किया गया है और ड्रेस सोनाक्षीराज की है, ज्वेल्स ञ्च सहगलज्वेल्स, हेयर ञ्च चेट्टियार्क्वींसली और शूज गिनाशूज ऑफिशियल की हैं। सोनल चौहान का यह ग्लैमरस अवतार एक बार फिर यह साबित करता है कि वह सिर्फ बेहतरीन एक्ट्रेस ही नहीं बल्कि स्टाइल आइकन भी हैं।

अब अभिनेता शाहिद कपूर के साथ दो धमाकेदार गानों पर थिरकेंगे अभिनेत्री दिशा पटानी

शाहिद कपूर, जिन्हें इस साल जनवरी में देवा में आखिरी बार देखा गया था, विशाल भारद्वाज के साथ अपनी अगली फिल्म पर काम करने में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ त्रिप्ति डिमरी भी हैं। यह फिल्म 5 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। कमीने अभिनेता विशाल भारद्वाज के साथ कमर्शियल एक्शन फिल्म के दो बैक-टू-बैक डांस नंबर की शूटिंग शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यहां आश्चर्य की बात यह है कि दिशा पटानी एक विशेष कैमियो के लिए शाहिद के साथ शामिल होंगी।

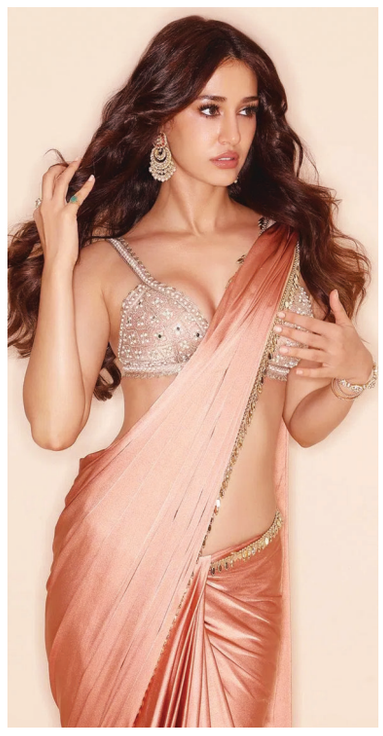

शाहिद कपूर त्रिप्ति डिमरी के साथ अपनी अगली फिल्म में दिशा पटानी के साथ 2 गानों पर थिरकने के लिए तैयार हैं शूटिंग से जुड़े सूत्रों ने रोमांचक विवरण का खुलासा किया है। दोनों गानों के लिए विशाल सेट बनाए गए हैं। प्रशंसक दो बड़े डांस धमाका नंबर की उम्मीद कर सकते हैं। यह पहली बार है जब शाहिद कपूर और दिशा पटानी एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। सूत्र ने बताया, दोनों गानों में शाहिद के गानों की तरह ही मूव्स और बीट्स हैं। दोनों गानों की अपील बिल्कुल अलग है, लेकिन शाहिद के हर गाने में जो व्यापक अपील होती है, वह दोनों गानों में कॉमन है।

शाहिद कपूर और दिशा पटानी के डांस नंबर विजुअल ट्रीट होने का वादा शाहिद और दिशा पहली बार किसी गाने में साथ नजर आएंगे। फैन्स को विजुअल ट्रीट मिलने वाली है। वे दोनों ट्रैक में सीरियस स्टाइल और एनर्जी लेकर आ रहे हैं, सूत्र ने बताया कि यह जोड़ी स्क्रीन पर धमाल मचाने वाली है। विशाल भारद्वाज निर्देशित इस फिल्म में शाहिद कपूर ने एक और जटिल किरदार निभाया शाहिद जटिल किरदारों को बखूबी निभाने के लिए जाने जाते हैं। हैदर से लेकर कबीर सिंह तक, उन्होंने कई अलग-अलग किरदारों में अपनी छाप छोड़ी है। फैन्स को इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं, क्योंकि शाहिद और विशाल भारद्वाज की जोड़ी ने उन्हें कभी निराश नहीं किया है। गाने की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है गाने की शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। सेट तैयार हैं और डांस नंबर फिल्म का मुख्य आकर्षण होंगे। शाहिद का सिग्नेचर स्टाइल पहली बार बड़े पर्दे पर दिशा के आकर्षण और स्वभाव से मिलेगा।

धनुष और कृति स्टारर तेरे इश्क में की शूटिंग हुई पूरी, एक्टर ने शेयर की ब्लडी तस्वीर

अभिनेता धनुष ने अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म तेरे इश्क में की शूटिंग पूरी कर ली है। आनंद एल राय के निर्देशन में बनी इस फिल्म में धनुष के साथ कृति सेनन नजर आएंगी। शूटिंग खत्म होने की खुशी में धनुष ने सोशल मीडिया पर दो खूनी हाथों की तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, और यह एक आवरण है।

तेरे इश्क में फिल्म को रांझणा की स्पिरिचुअल सक्सेसर कहा जा रहा है, जो अधूरे प्यार, तड़प और इमोशनल कॉन्फ्लिक्ट की थीम को और गहराई से दिखाती है। फिल्म में एक बार फिर निर्देशक आनंद एल राय, अभिनेता धनुष और ऑस्कर विजेता म्यूजिक कंपोज़र ए आर रहमान की तिकड़ी साथ आ रही है। इससे पहले यह तिकड़ी 2021 की फिल्म अतरंगी रे में भी साथ काम कर चुकी है।

फिल्म का टीज़र रिलीज होते ही जबरदस्त चर्चा में आ गया था, जिसमें धनुष को एक दीवार में आग लगाते दिखाया गया था और बैकग्राउंड में आवाज आई थी, पिछली बार तो कुंदन था, मान गया, पर इस बार शंकर को कैसे रोकोगे? वहीं कृति सेनन का लुक भी काफी इंटेंस दिखा था, जिसमें वह जंग के माहौल में खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाने को तैयार दिख रही थीं। फिल्म को गुलशन कुमार, टी-सीरीज़ और कलर येलो ने प्रेज़ेंट किया है। निर्माता आनंद एल राय, हिमांशु शर्मा, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार हैं। इसकी स्क्रिप्ट हिमांशु शर्मा और नीरज यादव ने लिखी है। वहीं, म्यूजिक का जादू बिखेरेंगे ए आर रहमान और गानों के बोल होंगे इरशाद कामिल के।

तेरे इश्क में इस साल 28 नवंबर को हिंदी और तमिल में ग्लोबल रिलीज के लिए तैयार है। फैंस बेसब्री से इस इंटेंस लव स्टोरी का इंतजार कर रहे हैं।

मालिक का ट्रेलर रिलीज, गैंगस्टर बन धमाल मचाने आ रहे राजकुमार राव

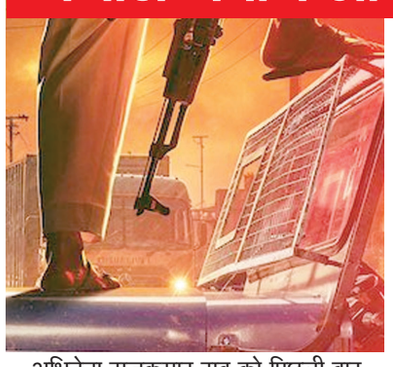

अभिनेता राजकुमार राव को पिछली बार फिल्म भूल चूक माफ में देखा गया था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया था। इसमें राजकुमार की जोड़ी पहली बार वामिका गब्बी के साथ बनी थी और दोनों की केमिस्ट्री लोगों को खूब पसंद आई। अब राजकुमार जल्द ही फिल्म मालिक के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान पुलकित ने संभाली है। आखिरकार अब निर्माताओं ने मालिक का दमदार ट्रेलर जारी कर दिया है।

मालिक में राजकुमार पहली बार गैंगस्टर की भूमिका निभा रहे हैं। ट्रेलर में उनका धाकड़ अवतार दिख रहा है। वह जबरदस्त एक्शन करते दिख रहे हैं। इस गैंगस्टर ड्रामा फिल्म में राजकुमार का अनदेखा और धांसू अवतार देखने को मिलेगा। मालिक में राजकुमार की जोड़ी अभिनेत्री मानुषी छिल्लर के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। ट्रेलर में राजकुमार और मानुषी की केमिस्ट्री लोगों को खूब पसंद आ रही है।

मालिक का निर्माण कुमार तौरानी ने टिप्स फिल्म्स के बैनर तले किया जा रहा है। राजकुमार और मानुषी के अलावा प्रोसेनजीत चटर्जी भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे हैं। अंशुमान पुष्कर और स्वानंद किरकिरे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म में हुमा कुरैशी मेहमान की भूमिका निभा रही हैं। मालिक 11 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना विक्रांत मैसी की फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से होगा।

एक्वेरियम में रखना चाहते हैं बेट्टा मछली? खरीदने से पहले जान लें ये बातें

बेट्टा मछली अपने रंग-बिरंगे पंखों और शांत स्वभाव के कारण एक्वेरियम के लिए एक लोकप्रिय विकल्प है। हालांकि, इसे खरीदने से पहले कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि आपकी मछली स्वस्थ और खुशहाल रहे। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे जरूरी टिप्स देंगे, जो आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे। इससे न केवल आपकी मछली खुशहाल रहेगी बल्कि आपके घर की सजावट भी बढ़ेगी। आइए जानें कि बेट्टा मछली खरीदने से पहले क्या-क्या ध्यान रखना चाहिए।

सही आकार का एक्वेरियम चुनें

बेट्टा मछली के लिए एक्वेरियम का आकार बहुत अहम है। छोटे टैंकों में बेट्टा मछली रखने से उसका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इसलिए एक्वेरियम कम से कम 5-10 गैलन का होना चाहिए ताकि मछली को पर्याप्त जगह मिल सके और उसका माहौल स्थिर रह सके। इसके अलावा बड़े एक्वेरियम में पानी के तापमान और गुणवत्ता को नियंत्रित करना आसान होता है, जिससे आपकी मछली स्वस्थ और खुशहाल रहती है।

पानी की गुणवत्ता का रखें ध्यान

बेट्टा मछली के लिए साफ और ताजा पानी जरूरी है। पानी का अम्लीय स्तर 6.5 से 7.5 के बीच होना चाहिए और पानी में हानिकारक तत्वों की मात्रा कम होनी चाहिए। हफ्ते में एक बार पानी बदलना चाहिए, लेकिन ध्यान रखें कि नए पानी का तापमान भी समान हो ताकि मछली को झटका न लगे। इसके अलावा पानी में क्लोरीन न हो, इसलिए नल का पानी इस्तेमाल करने से पहले उसे फिल्टर करें।

सही तापमान बनाए रखें

बेट्टा मछली गर्म पानी पसंद करती है, इसलिए एक्वेरियम का तापमान 24 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच होना चाहिए। इसके लिए आप पानी गर्म रखने वाला यंत्र इस्तेमाल कर सकते हैं, जो पानी को स्थिर तापमान पर बनाए रखने में मदद करेगा। इसके अलावा समय-समय पर तापमान जांचते रहें ताकि किसी भी तरह की असुविधा से बचा जा सके और आपकी मछली स्वस्थ और खुशहाल रहे।

अन्य मछलियों के साथ मिलान करें

अगर आपके एक्वेरियम में अन्य मछलियां भी होंगी तो उनकी प्रजाति का ध्यान रखें। कुछ प्रजातियां बेट्टा मछली के साथ नहीं रह पातीं या उसे नुकसान पहुंचा सकती हैं। ऐसी प्रजातियों से बचें जो बेट्टा मछली के पंख काट सकती हैं या उसे परेशान कर सकती हैं, जैसे कि तेजतर्रार या आक्रामक मछलियां। इसके बजाय शांत स्वभाव वाली मछलियों का चयन करें ताकि सभी मछलियां मिल-जुलकर रह सकें और बेट्टा मछली खुशहाल रहेगी।

खान-पान पर दें ध्यान

बेट्टा मछली को स्वस्थ रखने के लिए सही खान-पान देना बहुत जरूरी है। बाजार में कई तरह की मछली खाना उपलब्ध होते हैं, लेकिन उनमें से कौन सा सबसे अच्छा है, यह जानना जरूरी है। उच्च गुणवत्ता वाले मछली के खाने का चयन करें, जो विशेष रूप से बेट्टा मछली के लिए बनाए जाते हैं। इसके अलावा हफ्ते में दो बार छोटे हिस्सों में खाना दें और कभी भी ज्यादा खाना न दें ताकि वे स्वस्थ रहें।

सादिया खतीब बॉलीवुड की एक उभरती हुई अभिनेत्री हैं, जो फिल्म सिला में हर्षवर्धन के साथ करेंगी रोमांस?

पिछले कुछ दिनों से अभिनेता हर्षवर्धन राणे अपनी आगामी फिल्म सिला को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान ओमंग कुमार ने संभाली है, जिन्हें मैरी कॉम और सरबजीत जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है। सिला में हर्षवर्धन की जोड़ी अभिनेत्री सादिया खतीब के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। आइए हम आपको बताते हैं कि आखिर सादिया हैं कौन।

सादिया बॉलीवुड की एक उभरती हुई अभिनेत्री हैं। उनका जन्म 18 सितंबर, 1997 को जम्मू-कश्मीर के भद्रवाह में हुआ था। सादिया ने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन में इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की है। हालांकि, उन्हें बचपन से अभिनय में रुचि थी। सादिया ने फिल्म शिकारा के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। उनकी पहली फिल्म साल 2020 में रिलीज हुई थी और इसका निर्देशन विधु विनोद चोपड़ा ने किया था। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर मुंह के बल गिरी।

सादिया फिल्म रक्षा बंधन में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ काम कर चुकी हैं। उन्होंने फिल्म में अक्षय की बहन की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में सादिया के काम को काफी पसंद किया गया था। आनंद एल राय के निर्देशन में बनी यह फिल्म 11 अगस्त, 2022 को दर्शकों के बीच आई थी। सादिया आखिरी बार फिल्म द डिप्लोमैट में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने जॉन अब्राहम के साथ काम किया था। शिवम नायर इस फिल्म के निर्देशक हैं।

शादियों में पहनने के लिए बेहतरीन हैं ये 5 ईयररिंग्स

भारतीय शादियों में झुमकों का खास महत्व होता है। ये न केवल महिलाओं की सुंदरता को बढ़ाते हैं, बल्कि पारंपरिकता का भी प्रतीक हैं। झुमकों की अलग-अलग शैलियां और डिज़ाइन उन्हें खास बनाते हैं। चाहे आप किसी बड़ी शादी में जा रही हों या किसी छोटे समारोह में, ये झुमके आपके लुक को निखार देंगे। आइए आज हम आपको कुछ बेहतरीन पारंपरिक झुमकों के बारे में बताते हैं, जो हर शादी के परिधान के साथ जचेंगे।

चांदबाली

चांदबाली एक लोकप्रिय पारंपरिक झुमका है, जो खासकर पंजाब और उत्तर भारत में बहुत पसंद किया जाता है। इनका डिज़ाइन चाँद की तरह होता है, जिसमें सोने और मोती का उपयोग किया जाता है। चांदबाली न केवल सुंदर दिखती हैं, बल्कि इनका वजन हल्का होता है, जिससे इन्हें पहनना आरामदायक होता है। आप इन्हें किसी भी पारंपरिक कपड़े के साथ पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा।

झुमका

भारतीय शादियों में झुमका एक अहम हिस्सा होता है। ये गोल आकार के होते हैं और इनमें अलग-अलग रंगों के स्टोन का उपयोग किया जाता है। झुमका सोने, चांदी या प्लाटिनम से बने होते हैं, जिनमें कीमती स्टोन जड़े होते हैं। ये झुमका आपके चेहरे को निखार देते हैं और किसी भी पारंपरिक कपड़े के साथ अच्छे लगते हैं। इनका डिजाइन इतना आकर्षक होता है कि ये किसी भी शादी के परिधान को खास बना देते हैं।

मीनाकारी झुमका

मीनाकारी एक ऐसी तकनीक होती है, जिसमें रंग-बिरंगे स्टोन का उपयोग किया जाता है। ये झुमका राजस्थान और गुजरात जैसी जगहों पर बहुत लोकप्रिय हैं। मीनाकारी झुमकियों में लाल, हरे, नीले जैसे चमकीले रंगों का उपयोग होता है, जो इन्हें बेहद आकर्षक बनाता है। अगर आप किसी पारंपरिक कपड़े के साथ मीनाकारी झुमका पहनती हैं तो आपका लुक और भी खास लगता है। ये झुमका शादी के किसी भी परिधान के साथ जचती हैं।

टेंपल झुमका

भगवान तिरुपति या मां लक्ष्मी के डिजाइन में बनने वाले झुमकों का अपना ही एक अलग महत्व होता है। मंदिर के डिजाइन वाले झुमके सोने से बने होते हैं, जिनमें कई भगवानों की छवि होती है। इनका उपयोग पूजा-अर्चना के दौरान किया जाता है, लेकिन ये शादी के परिधान के साथ भी बहुत अच्छी लगती हैं। टेंपल डिजाइन झुमका आपके चेहरे पर एक शाही अंदाज लाते हैं और किसी भी पारंपरिक कपड़े के साथ अच्छी लगते हैं।

कश्मीरी झुमका

कश्मीर अपनी सुंदरता के लिए जाना जाता है, वहीं वहां बनने वाली चीजें भी बहुत खूबसूरत होती हैं। कश्मीरी झुमका सोने की चेन से बनाए जाते हैं, जिनमें फूलों के डिजाइन होते हैं। इनका उपयोग शुभ अवसरों में किया जाता है, लेकिन ये शादी के परिधान के साथ भी अच्छे लगते हैं। कश्मीरी झुमका आपके चेहरे को निखार देते हैं और किसी भी पारंपरिक कपड़े के साथ अच्छे लगते हैं।

हुमा कुरैशी ने दी आइटम गानों को नई परिभाषा, कहा 'ये शर्म नहीं शक्ति है'

अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में आइटम सॉन्ग्स को लेकर बड़ा और बेबाक बयान दिया है। उनका कहना है कि ऐसे गानों में महिला की सेक्सुएलिटी (कामुकता) को दिखाना या उसका जश्न मनाना कोई गलत बात नहीं है।

हुमा ने कहा, आइटम सॉन्ग को अक्सर आलोचना का सामना करना पड़ता है, लेकिन मैं मानती हूं कि अगर एक महिला अपनी इच्छा से अपने शरीर और अभिव्यक्ति का इस्तेमाल करती है, तो यह उसकी आजादी का हिस्सा है। इसमें शर्म की कोई बात नहीं है। उनके इस बयान को जहां कुछ लोग सशक्तिकरण (empowerment) के नजरिए से देख रहे हैं, वहीं कुछ लोग इससे असहमत भी हैं। सोशल मीडिया पर इस पर बहस छिड़ गई है। हुमा कुरैशी बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में से हैं जो फिल्मों के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों पर भी अपनी राय बेझिझक रखती हैं।

युक्तियुक्तकरण से बदली तस्वीरः पतरापारा महलोई प्राथमिक शाला में पढ़ाई को मिली रफ्तार

दो शिक्षकों की पदस्थापना से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, बच्चों व पालकों में दिखा उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन द्वारा प्रारंभ की गई युक्तियुक्तकरण नीति का प्रभाव अब गांव-गांव में नजर आने लगा है। रायगढ़ जिले के तमनार विकासखंड अंतर्गत ग्राम पतरापारा महलोई स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में शिक्षकों की नई पदस्थापना से शैक्षणिक वातावरण में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है।

पहले यह स्कूल एकल शिक्षक के भरोसे संचालित हो रहा था, लेकिन अब दो शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति के बाद पढ़ाई में नई ऊर्जा और दिशा आई है। विद्यालय में वर्तमान में कक्षा 1 से 5 तक कुल 78 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। पूर्व में एक ही शिक्षक के भरोसे सभी कक्षाओं का संचालन किया जा रहा था, जिससे न केवल शिक्षण की गुणवत्ता प्रभावित हो रही थी, बल्कि विद्यार्थियों को विषय आधारित शिक्षा भी सीमित रूप से मिल पा रही थी। अब दो शिक्षकों की उपस्थिति से समयबद्ध, व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित हुआ है।

विद्यालय के परिवेश में आए इस सकारात्मक बदलाव से पालकों में भी उत्साह का माहौल है। अपने बच्चे को स्कूल छोड़ने आई श्रीमती प्रमिला परजा ने कहा कि अब उनके बच्चे घर लौटकर स्कूल की पढ़ाई और गतिविधियों के बारे में खुशी से बताते हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व में उन्हें इस बात की चिंता रहती थी कि एक शिक्षक इतने सारे बच्चों को कैसे सम्हालेंगे, लेकिन अब दो शिक्षकों की नियुक्ति से बच्चों को ध्यानपूर्वक पढ़ाया जा रहा है और वे पढ़ाई में भी अधिक रुचि लेने लगे हैं।

राज्य शासन की इस पहल से न केवल बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिला है, बल्कि ड्रॉपआउट दर में भी गिरावट की उम्मीद जताई जा रही है। शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता से बच्चों की पढ़ाई अब नियमित और व्यवस्थित रूप से हो रही है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में सीधा सुधार देखा जा रहा है।

युक्तियुक्तकरण योजना के तहत की गई यह पहल ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रही है। इससे बच्चों को न केवल उनके गांव में ही बेहतर शिक्षा मिल रही है, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव भी मजबूत हो रही है।

विद्यार्थियों की बढ़ेगी पहचान, नियमित शिक्षक से पढ़ाई हुई आसान

युक्ति युक्तकरण से सुदूरवर्ती गांव सांचरबहार के शिक्षकविहीन स्कूल को मिला शिक्षक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इस गाँव में शिक्षा की मशाल जल चुकी है...स्कूल खोलकर यहाँ के विद्यार्थियों को शिक्षा से न सिर्फ जोड़ा जा चुका है..अब वर्षों से शिक्षकविहीन इस विद्यालय में नियमित शिक्षक की नियुक्ति से विद्यार्थियों के साथ गाँव के लोगों में खुशियों का वातावरण है। शिक्षकविहीन की श्रेणी में आने वाले इस विद्यालय में राज्य शासन के फैसलों के बाद अतिशेष शिक्षको के युक्ति युक्तकरण की अपनाई गई प्रक्रिया ने यहाँ ज्ञान की नई रोशनी और उम्मीदों का दीया जला दिया है।

कोरबा ब्लॉक के सुदूरवर्ती ग्राम सांचरबहार ग्राम पंचायत नकिया का आश्रित ग्राम है। इस विद्यालय में वर्षों से नियमित शिक्षक पदस्थ नहीं था। स्कूल खुलने के साथ ही गाँव के लोगों की आस थी कि उनके बच्चे भी सही ढंग से पढ़ाई कर पाएंगे, दुर्भाग्यवश उनकी आस अधूरी ही थी, क्योंकि नियमित शिक्षक नहीं होने का खामियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ता था। अब जब विद्यालय में नियमित शिक्षक की नियुक्ति हुई है, तो गांव में उत्सव जैसा माहौल है।

गाँव में रहने वाली वृद्धा मैसो बाई खुश है कि स्कूल को नियमित शिक्षक मिल गया है अब उनका नाती-नतिनी ठीक से पढ़ाई कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि रिया और आशीष विद्यालय जाते हैं। गाँव की महिला राजकुमारी बाई ने बताया कि उनका बेटा प्रमेन्द्र स्कूल जाता है। पहले आसपास के विद्यालयों से किसी शिक्षक को स्कूल भेजकर काम चलाया जाता था। अब नियमित शिक्षक आ जाने से हम सभी खुश है कि हमारे गाँव के स्कूल और बच्चों की नई पहचान बनेगी और उनकी पढ़ाई भी आसान होगी।

शासन की युक्ति युक्तकरण से इस विद्यालय में नियुक्त सहायक शिक्षक श्री शेखरजीत टंडन ने बताया कि विद्यालय शहर से बहुत दूर है और अभी नई नियुक्ति के साथ ही लेमरू में ठहरने की व्यवस्था कर वहाँ से नियमित विद्यालय आते हैं। उन्होंने बताया कि बारिश में आवागमन थोड़ा चुनौती है, आने वाले समय में रास्ता पक्का हो जाने के साथ ही समस्या दूर हो जाएगी। उन्होंने बताया कि युक्ति युक्तकरण के काउंसिलिंग प्रक्रिया में उन्होंने इस विद्यालय का चयन किया है। विद्यालय में अभी 11 बच्चे दर्ज है और उन्हें खुशी है कि सुदूरवर्ती गाँव सांचरबहार के विद्यार्थियों का भविष्य गढ़ने का उन्हें अवसर मिला। उन्होंने बताया कि इससे पहले दूरस्थ क्षेत्र श्यांग के स्कूल में भी पदस्थ रहकर अध्यापन कर चुके हैं, अब सांचरबहार के शासकीय प्राथमिक शाला में नियुक्त है।

शासकीय हाई स्कूल पासिद में युक्तियुक्तकरण से लौटी शिक्षण व्यवस्था की रौनक

रायपुर। महासमुंद जिले के शासकीय हाई स्कूल पासिद में युक्तियुक्तकरण नीति के अंतर्गत नवपदस्थ व्याख्याताओं की नियुक्ति से विद्यालय का शैक्षणिक माहौल एक बार फिर सक्रिय हो गया है। पिछला सत्र शिक्षकों की कमी से प्रभावित रहा, जिससे नियमित अध्यापन संभव नहीं हो सका था। लेकिन शिक्षा सत्र 2025-26 की शुरुआत के साथ ही विद्यालय में तीन व्याख्याता (एल.बी.) की पदस्थापना से अब कक्षा 9वीं और 10वीं के छात्र-छात्राएं नियमित रूप से विभिन्न विषयों की पढ़ाई कर पा रहे हैं। विद्यार्थियों में पढ़ाई को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। सत्र में कक्षा 9वीं के 17 और कक्षा 10वीं के 18 विद्यार्थी उपस्थित रहे, जिन्होंने अनुशासन और रुचि के साथ कक्षा में सहभागिता की। विद्यालय की स्थापना 24 जुलाई 2023 को हुई थी, लेकिन आरंभिक वर्षों में शिक्षक न होने के कारण शिक्षण व्यवस्था बाधित रही। अब युक्तियुक्तकरण के प्रभावी क्रियान्वयन से नियमित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित हो पाई है। शिक्षा विभाग द्वारा विशेष रूप से उन विद्यालयों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो एकल शिक्षक या शिक्षक विहीन थे। ऐसे स्कूलों में आवश्यकतानुसार विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति कर छात्रों के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त किया जा रहा है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से रीता बनाफर ने पर्यावरण संरक्षण में दिया योगदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से रीता के बिजली बिल में कमी आई है। दुर्ग जिले के ग्राम धनोरा में रहने वाली रीता बनाफर हमेशा से पर्यावरण के प्रति जागरूक रही हैं। उन्हें प्रकृति से गहरा लगाव है और वे अपने स्तर पर इसे संरक्षित करने के लिए प्रयासरत रहती हैं।

रीता का कहना है कि हर व्यक्ति को ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों का उपयोग कर पर्यावरण को बचाने में अपना योगदान देना चाहिए। वह लंबे समय से अपने घर के लिए सौर ऊर्जा समाधान की तलाश में थीं, लेकिन शुरुआती लागत उनके लिए एक चुनौती थी। तभी उन्हें श्प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजनाश् के बारे में जानकारी मिली। यह योजना रीता के लिए एक सुनहरा अवसर बनकर आई, जिससे उन्हें पर्यावरण संरक्षण के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिली। उन्होंने इस योजना के तहत अपने घर की छत पर रूफटॉप सोलर पैनल लगवाने का आवेदन किया। उनके घर की छत पर अत्याधुनिक सोलर पैनल स्थापित हो गए, जो सूरज की रोशनी को स्वच्छ बिजली में बदलने का कार्य करते है।

सोलर पैनल लगने के बाद रीता को दोहरा लाभ मिला है। एक ओर जहां उनके घर की बिजली की जरूरतें काफी हद तक सौर ऊर्जा से पूरी हो रही हैं, वहीं दूसरी ओर वे पर्यावरण को स्वच्छ रखने में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने बताया कि इस माह उनके यहाँ कुल 2199 यूनिट बिजली की खपत हुई, जिसमें से उनके सोलर पैनल ने लगभग आधी बिजली का उत्पादन किया। इससे उन्हें अब आधी बिजली का ही भुगतान करना होगा, जिससे उनके मासिक बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है।

रीता कहती हैं, यह बिजली बिल में बचत के साथ मेरे पर्यावरण प्रेम की एक साकार अभिव्यक्ति है। मुझे खुशी है कि मैं अपने घर से ही कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद कर रही हूँ। 1.82 लाख रुपये की लागत से लगे इस सोलर पैनल के लिए उन्हें सरकार से 78 हज़ार रुपये की सब्सिडी भी मिली है।

पीएम आवास की शत-प्रतिशत पूर्णता के लिए तत्परता से कार्य करें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आवास निर्माण की स्थिति की समीक्षा के लिए आज जिला पंचायत सभाकक्ष रायगढ़ में बैठक आयोजित हुई कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जिले के विभिन्न विकासखण्डों के पंचायत सचिवों एवं फील्ड अधिकारियों के कार्य प्रगति की गहन समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जितेन्द्र यादव भी उपस्थित रहे।

आवास निर्माण में कमतर प्रगति वाले तीन पंचायतों के सचिवों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, जिनमें ग्राम पंचायत क्रोन्धा के सचिव नंदलाल राठिया, ग्राम पंचायत धौराभांठा के सचिव तुलसीराम राठिया और ग्राम पंचायत अमलीडीह की सचिव शांति बेहरा शामिल हैं। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि आवास निर्माण की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर चतुर्वेदी ने कहा कि स्वीकृत आवासों की शत-प्रतिशत पूर्णता सुनिश्चित करना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए सभी फील्ड अधिकारी एवं पंचायत सचिव तत्परता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। उन्होंने नियमित फील्ड निरीक्षण के निर्देश देते हुए व्यक्तिगत प्रगति रिपोर्ट के आधार पर अधिकारियों के काम-काज की समीक्षा की। बैठक के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले तकनीकी सहायकों की सराहना की गई, जिनमें विकासखण्ड खरसिया की डूलिमा चौधरी, प्रियंका देशमुख, धरमजयगढ़ के दिना कुमार रात्रे, तमनार के प्रकाश साव एवं लैलूंगा के श्रवण पैंकरा शामिल हैं। सीईओ जिला पंचायत यादव ने ग्राम पंचायतवार स्वीकृत एवं जनमन पोर्टल पर दर्ज आवासों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली।

माओवाद प्रभावित सुरपनगुड़ा में युक्तिकरण से जगी शिक्षा की नई उम्मीद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। माओवाद प्रभावित सुकमा जिले के कोंटा विकासखंड के सुदूरवर्ती गांव सुरपनगुड़ा में अब शिक्षा की नई रोशनी फैल रही है। घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच बसे इस गांव के बच्चे भी अब राज्य के अन्य बच्चों की तरह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से लाभान्वित हो रहे हैं।

यह संभव हो पाया है छत्तीसगढ़ शासन की युक्तिकरण नीति के प्रभावी क्रियान्वयन से, जिसके अंतर्गत प्राथमिक शाला सुरपनगुड़ा में पहली बार एक नियमित शिक्षक की पदस्थापना की गई है। अब तक इस स्कूल में शिक्षकों की भारी कमी थी। कक्षाएं तो थीं, पर नियमित शिक्षक के अभाव में बच्चों की पढ़ाई शिक्षादूतों के भरोसे संचालित हो रही थी। माता-पिता बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित थे, लेकिन कोई स्थायी समाधान नजर नहीं आ रहा था। शासन द्वारा लागू की गई युक्तिकरण योजना के तहत अब छात्र संख्या के आधार पर शिक्षकों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। इसी पहल के तहत सुरपनगुड़ा के बच्चों को एक स्थायी शिक्षक की सौगात मिली है।

युक्तिकरण प्रक्रिया के माध्यम से सुकमा जिले के दुर्गम और संवेदनशील इलाकों में भी शिक्षा व्यवस्था को मजबूती दी जा रही है। सुरपनगुड़ा जैसे क्षेत्र, जहां तक पहुँचना भी एक चुनौती होता है, वहां अब शिक्षक अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं और बच्चों को पूरे समर्पण के साथ पढ़ा रहे हैं। नियमित शिक्षक की नियुक्ति से बच्चों की स्कूल में उपस्थिति में वृद्धि हुई है। मध्यान्ह भोजन योजना का भी सकारात्मक असर देखने को मिल रहा है, बच्चे न सिर्फ पढ़ने आ रहे हैं बल्कि स्कूल में मिलने वाले भोजन का आनंद भी ले रहे हैं। इससे बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ी है और ग्रामीणों का विश्वास भी शासन की योजनाओं पर और मजबूत हुआ है। यह पहल न केवल सुरपनगुड़ा बल्कि पूरे माओवाद प्रभावित अंचलों में शिक्षा के क्षेत्र में उम्मीद की एक नई किरण बनकर सामने आई है।

छत्तीसगढ़ सरकार के किसान हितैषी निर्णयों से खेती में उत्साह

जशपुर जिले में उर्वरक उठाव में 16.13 प्रतिशत और कृषि ऋण वितरण में 8.62 प्रतिशत की वृद्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में खरीफफसल की बुआई शुरू हो चुकी है और किसान पूरी तन्मयता से कृषि कार्यों में जुट गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर राज्य सरकार द्वारा किसानों को खेती के लिए आवश्यक संसाधन जैसे खाद, बीज और ऋण की सुविधाएं प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। इन योजनाओं और सुविधाओं का सकारात्मक असर अब ज़मीनी स्तर पर साफ़ दिखाई दे रहा है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में लिए गए किसान हितैषी निर्णयों से खेती के प्रति किसानों में नया उत्साह देखा जा रहा है। राज्य में रूपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल की धान की खरीदी ने किसानों के मन में विश्वास और उमंग भर दी है। हाल ही में आयोजित कैबिनेट बैठक में एक और बड़ा निर्णय लिया गया, जिसमें पंजीकृत धान फसल की जगह दलहन, तिलहन, मक्का जैसी वैकल्पिक फसलें लेने वाले किसानों को भी कृषक उन्नति योजना का लाभ देने की घोषणा की गई। इस निर्णय का किसानों ने खुले दिल से स्वागत किया है और इसे खेती के दायरे को बढ़ाने तथा समृद्धि की दिशा में बड़ा कदम बताया है।

सहकारिता विभाग, जिला जशपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस वर्ष रासायनिक खाद के उठाव में 16.13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। जून 2024 के अंत तक जहां 7566.100 टन उर्वरकों का वितरण हुआ था, वहीं जून 2025 के अंत तक यह बढ़कर 8786.190 टन हो गया है। इसी तरह अल्पकालिक ऋण वितरण में भी उल्लेखनीय 8.62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष जून अंत तक 34.68 करोड़ रुपये का ऋण किसानों को उपलब्ध कराया गया था, जबकि इस वर्ष यह आंकड़ा बढ़कर 37.67 करोड़ रुपये हो गया है। अर्थात् कुल 2.99 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई है। किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से फसल बीजों के वितरण में भी प्रभावशाली 79.55 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। पिछले वर्ष जून तक 1332.21 क्विंटल धान बीज का वितरण हुआ था, जबकि इस वर्ष यह आकड़ा बढ़कर 2392.46 क्विंटल हो गया है।

राज्य सरकार के इन ठोस प्रयासों से स्पष्ट है कि किसानों को संसाधनों की कमी के बिना खेती करने का अवसर मिल रहा है और वे नई उम्मीद के साथ बेहतर उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की किसानों के प्रति संवेदनशीलता और दूरदर्शिता के चलते छत्तीसगढ़ में कृषि क्षेत्र न केवल सशक्त हो रहा है, बल्कि आर्थिक प्रगति की ओर भी अग्रसर है।

अंबिकापुर में धूमधाम से मना जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव, नवप्रवेशी बच्चों का हुआ आत्मीय स्वागत

रायपुर। अंबिकापुर जिले में बुधवार को राजमोहिनी देवी भवन में जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज उपस्थित रहे। मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया और उन्हें पाठ्यपुस्तकें, गणवेश तथा अन्य शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। सांसद चिंतामणि महाराज ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा ही सच्चा धन है, जो कभी नष्ट नहीं होता। उन्होंने बच्चों को मेहनत और लगन से पढ़ने तथा माता-पिता और देश का नाम रोशन करने का संदेश दिया। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि बच्चों की रुचि के अनुसार उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ खेल और अन्य गतिविधियों में भी भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

खास खबर

युवती ने की खुदकुशी

दंतेवाड़ा। जिले में एक युवती ने अपने घर पर ही फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली है। पाइप पर गमछा का फंदा बनाया और झूल गई। फिलहाल सुसाइड का कारण अज्ञात है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, मृत युवती का नाम श्यामबती कड़ती (23) है। ये दंतेवाड़ा के कुम्हाररास की रहने वाली थी। मजदूरी का काम करती थी। बताया जा रहा है कि एक दिन पहले शाम 6 बजे काम कर लौटी थी। रात में परिजनों के साथ खाना खाई। फिर अपने कमरे में सोने चले गई थी। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। वहीं सुबह यह जल्दी नहीं उठी। जिसके बाद परिजनों को शक हुआ। उन्होंने दरवाजा खटखटाया। जब अंदर से कोई भी रिस्पॉन्स नहीं मिला तो दरवाजा को तोड़ा गया। जब परिजन अंदर गए तो उन्होंने फंदे से लटकती अपनी बेटी की लाश देखी। रोने और शोरगुल की आवाज सुनकर पड़ोस के लोग भी घर पहुंच गए। वहीं इस मामले की जानकारी सिटी कोतवाली पुलिस को भी दी गई। मौके पर जवान पहुंचे।

बलरामपुर में भारी बारिश, नाले के उफान में बहे मां-बेटे की मौत

बलरामपुर। जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में उफनते नाले को पार कर रहे मां-बेटे बह गए। दोनों का शव मंगलवार को बरामद हुआ है। आमगांव निवासी विशुन कोरवा की पत्नी रजनी पहाड़ी कोरवा (20) अपने 2 वर्षीय बेटे आनंद के साथ मायके रकैया गांव गई थी। बताया जा रहा है कि वहां से शाम करीब 6 से 7 बजे के बीच वह बेटे को लेकर पैदल ही लौट रही थी। दोनों गांव के बीच स्थित बढ़नी झरिया नाले में कमर तक पानी भरा था। बेटे को गोद में लेकर रजनी कोरवा नाला पार कर रही थी, तभी दोनों नाले के तेज बहाव में बह गए। ग्रामीणों ने मां-बेटे का शव घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूर खेत में पड़ा देखा। सूचना शंकरगढ़ पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पंचनामा के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

एक प्रेमी ने प्रेमिका का गुस्सा दूसरे लड़के पर उतारा

भिलाई। प्रेमिका से हुए झगड़े का बदला लेने के लिए एक युवक ने अपने नाबालिग दोस्त के साथ मिलकर एक अन्य युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। यह सनसनीखेज घटना भिलाई के पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र की है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी साहिल सोना अपनी प्रेमिका से किसी बात को लेकर नाराज था। गुस्से में आकर उसने बदला लेने की नीयत से अपने नाबालिग दोस्त के साथ मिलकर नीरज वर्मा नामक युवक को निशाना बनाया। दोनों ने नीरज पर पहले हाथ-मुक्कों से हमला किया और फिर चाकू से गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत घायल नीरज को सुपेला स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज जारी है। पीड़ित युवक के पिता अजय वर्मा ने पुरानी भिलाई थाने में पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और नीरज द्वारा दिए गए हुलिए के आधार पर आरोपी साहिल सोना को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

22 साल की चुप्पी के बाद भरण-पोषण की मांग हाईकोर्ट ने महिला की याचिका को किया खारिज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। बिलासपुर हाईकोर्ट ने 22 साल बाद पति से भरण पोषण की मांग को लेकर दायर महिला की याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा है कि इतने लंबे अंतराल के बाद वह भरण-पोषण पाने की अधिकारी नहीं है। दुर्ग में रहने वाली महिला ने अपने पति के खिलाफ बीएनएस की धारा 144 के तहत आवेदन देकर हर माह 40 हजार रुपये भरण-पोषण और 25 हजार रुपये मुकदमे पर हुआ खर्च देने की मांग करते फैमिली कोर्ट में याचिका दायर की थी।

फैमिली कोर्ट ने इस आधार पर याचिका खारिज कर दी थी कि महिला 22 वर्षों तक चुप रही। अब अचानक भरण-पोषण की मांग करना तर्कसंगत नहीं है। फैमिली कोर्ट के फैसले के खिलाफ महिला ने हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका लगाई थी। महिला ने हाईकोर्ट को बताया कि वह पहले सरकारी नौकरी में थी, लेकिन अब बेरोजगार है। वर्ष 2002 में पति और सास ने उसे और बेटे को घर से निकाल दिया था।

वर्ष 2007 में उसे पटवारी की नौकरी मिली थी, लेकिन बाद में वह एक आपराधिक मामले में फंस गई और 2019 में सेवा से बर्खास्त कर दी गई। इसके चलते अब उसे भरण-पोषण की जरूरत है। यह तर्क भी दिया कि पत्नी होने के नाते वह भरण-पोषण की हकदार है। उसने अपनी सारी जमा पूंजी बेटे की पढ़ाई और बीमार पिता की दवाइयों में खर्च कर दी है। हाईकोर्ट महिला के तर्कों से सहमत नहीं हुआ।

याचिका खारिज करते हुए कोर्ट ने कहा कि महिला ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इतने वर्षों बाद आखिर किन कारणों से अचानक भरण-पोषण की जरूरत पड़ी। महिला पहले सरकारी सेवा में थी और उसने अपनी बेरोजगारी की स्थिति को भी स्पष्ट नहीं किया, ऐसे में माना जा सकता है कि उसके पास जीवन यापन के कुछ संसाधन तो हैं।

प्रधान पाठक ने महिला वॉशरूम में रखी थी मोबाइल, अपराध दर्ज

रायपुर। तिल्दा के समीपस्थ ग्राम बिलाड़ी के मिडिल स्कूल के महिला वॉशरूम में मोबाइल छिपाकर वीडियो बनाने का मामला प्रकाश में आया है। यह गंदा काम कोई और नहीं बल्कि स्कूल के ही संकुल समन्वयक भूपेंद्र कुमार साहू करता था, अब पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूरा मामला रायपुर जिले के तिल्दा के समीपस्थ ग्राम बिलाड़ी के मिडिल स्कूल का है। पुलिस अधिकारी ने बताया महिला वॉशरूम में एक चालू हालत में वीडियो रिकॉर्डिंग करता मोबाइल फोन मिला है। शिक्षिकाओं ने तिल्दा-नेवरा थाने पहुंचकर प्रधानपाठक पर इस घृणित कृत्य का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने प्रधान पाठक के खिलाफ एफआईआर दर्ज जब पूछताछ की तो उसने इस करतूत की स्वीकार किया है। पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है और प्रधान पाठक के मोबाइल की जांच करने पर वीडियो डिलीट मिले। अब उक्त मोबाइल की जांच के लिए उसे सायबर सेल को भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक संकुल समन्वयक भूपेंद्र कुमार साहू पूछताछ में स्वीकार किया है कि वह मोबाइल में रिकॉर्ड हुए वीडियो को दूसरे मोबाइल और फिर लैपटॉप में ट्रांसफर कर देखता था। उसने बताया कि वह पिछले लगभग दो महीने से यह हरकत कर रहा है।

रायपुर रेलवे स्टेशन पर गांजा तस्करी का भंडाफोड़, 3 लाख से अधिक का माल जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन से रेलवे सुरक्षा बल (RPF) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 लाख रुपए से अधिक मूल्य का गांजा जब्त किया है। इस मामले में दो युवकों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई के लिए आबकारी विभाग को सौंपा गया है। खास बात यह है कि अब गांजा तस्करी के तरीकों में बदलाव आया है। सूत्रों के मुताबिक पहले जहां महिलाएं इस कार्य में शामिल होती थीं, अब कम उम्र के नवयुवकों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

ओडिशा से लेकर पहुंचे रायपुर, आगे मध्यप्रदेश जाने की थी योजना गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विवेक मीणा (20 वर्ष), पिता भरोसी मीणा, निवासी ग्राम सुमरेरा, थाना रघुनाथपुर, जिला श्योपुर (मध्यप्रदेश) रामकुमार रावत (24 वर्ष), पिता गोपी रावत, निवासी ग्राम सापैर, थाना बीरपुर, जिला श्योपुर (मध्यप्रदेश) बताया जा रहा है कि दोनों आरोपी ओडिशा से गांजा लेकर रायपुर स्टेशन पहुंचे थे और यहां से मध्यप्रदेश रवाना होने की तैयारी में थे। लेकिन इससे पहले ही RPF ने उन्हें धर दबोचा। ट्रेंड बदल रहे हैं तस्करी के अधिकारियों ने बताया कि अब तस्करों ने रणनीति बदल दी है। पहले अक्सर महिलाओं की मदद से गांजा पहुंचाया जाता था, लेकिन अब कम उम्र के युवकों को इस्तेमाल किया जा रहा है, ताकि उन पर संदेह न हो।

कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में इस कार्रवाई को वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त रे.सु.ब. रायपुर रमन कुमार के निर्देशन में अंजाम दिया गया। टीम में शामिल अधिकारी: प्रभारी निरीक्षक कर्मपाल सिंह गुर्जर उप निरीक्षक डीके शास्त्री उप निरीक्षक एजेड चौधरी आबकारी विभाग से उप अधीक्षक टी. कुर्रे निरीक्षक प्रकाश देशमुख निरीक्षक कौशल सोनी और अन्य बल सदस्य भी कार्रवाई में शामिल रहे। आबकारी विभाग करेगा आगे की जांच गिरफ्तार आरोपियों को आबकारी विभाग के हवाले कर दिया गया है, जो अब इस तस्करी के पूरे नेटवर्क की तलाश और जांच में जुट गया है। गांजा की कुल कीमत- 3 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है। यह मामला एक बार फिर इस ओर इशारा करता है कि गांजा तस्करी को लेकर लगातार नए-नए तरीके अपनाए जा रहे हैं और सुरक्षा एजेंसियों को लगातार सतर्क रहना होगा।

अधिकारी से लाखों की ठगी

अंबिकापुर। सीआरपीएफ के सब इंस्पेक्टर ने फ्रॉड कॉल के चक्कर में आकर 22 लाख रुपए गंवा दिए। मामले में एफआईआर दर्ज करने के बाद गांधीनगर थाना पुलिस जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, सीआरपीएफ कैंप में पदस्थ एसआई आर महेंद्र को फ्रॉड कॉलर ने अपने आप को टेलीकॉम डिपार्टमेंट ऑफ इंडिया दिल्ली से बताते हुए कहा कि आपके आधार से सिम लिया गया है, जिसमें गैर कानूनी काम किया जा रहा है। सिम को 2 घंटे में बंद कर दिया जाएगा।

जगदलपुर रेलमार्ग में हुआ भूस्खलन, कोरापुट-किरंदुल रूट ठप

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर संभाग में लगातार हो रही तेज बारिश ने एक बार फिर रेल यातायात को प्रभावित कर दिया है। कोरापुट-किरंदुल रेललाइन के मल्लिगुड़ा और जराटी स्टेशनों के बीच भारी भूस्खलन हुआ है। पहाड़ से आया मलबा और विशाल चट्टानें ट्रैक पर जमा हो गई हैं, जिससे इस मार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, भूस्खलन की सूचना मिलते ही वल्टेयर रेल मंडल की आपदा प्रबंधन टीम को मौके पर भेजा गया है। ट्रैक की बहाली के लिए युद्धस्तर पर काम शुरू कर दिया गया है, जिसमें भारी मशीनरी, सैकड़ों मजदूर और अन्य संसाधन लगाए गए हैं।

दो ट्रेनें रद्द, यात्रियों से सतर्कता की अपील रेलवे प्रशासन ने एहतियातन 2 ट्रेनों — 18448 हीराखंड एक्सप्रेस (जगदलपुर-भुवनेश्वर) और 18516 नाइट एक्सप्रेस (किरंदुल-विशाखापट्टनम) को रद्द कर दिया है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे यात्रा पर निकलने से पूर्व संबंधित रेल सेवा की ताजा जानकारी अवश्य लें। गौरतलब है कि ठीक ऐसी ही घटना 24 सितंबर 2023 को इसी रेलखंड पर मानबार और जराटी स्टेशनों के बीच हुई थी। उस दौरान भी पहाड़ी मलबे और चट्टानों ने ट्रैक को जाम कर दिया था और 17 दिनों की कड़ी मशक्कत के बाद रेल सेवा बहाल हो पाई थी।

इस ऑपरेशन में 25 से अधिक जेसीबी और करीब 450 मजदूरों की मदद ली गई थी। रेलवे प्रशासन इस बार भी उसी स्तर की सतर्कता और तत्परता के साथ राहत कार्य में जुटा है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटों तक बस्तर क्षेत्र में भारी वर्षा की संभावना है, जिससे स्थिति और गंभीर हो सकती है। रेलवे की निगरानी टीम ट्रैक की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। दुर्घटनास्थल के दोनों ओर ट्रेनों की आवाजाही पूरी तरह बंद कर दी गई है ताकि किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।

बालोद में हिरण की दर्दनाक मौत: कुत्तों के झुंड ने गांव में घेरकर मार डाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। बालोद जिले के ग्राम घोटिया में मंगलवार सुबह-सुबह गांव में भटके एक हिरण को कुत्तों के एक झुंड ने घेरकर नोंच-नोंचकर मौत के घाट उतार दिया। जंगल से भटककर गांव की ओर आए करीब 2 साल के नर हिरण को कुत्तों के झुंड ने दौड़ाना शुरू कर दिया। जान बचाने की कोशिश में हिरण गांव की गलियों में इधर-उधर भागता रहा। अंतत: कई जगह गिरने और गंभीर चोटें लगने से उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि सुबह करीब 5.30 बजे कुत्तों ने हिरण को दौड़ाते हुए गांव के अंदर तक ले आए। हिरण ने लगातार खुद को बचाने का प्रयास किया। लेकिन कुत्तों के झुंड ने उसे चारों ओर से घेर लिया। इस संघर्ष में हिरण बुरी तरह घायल हो गया और आखिरकार उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही दल्ली रेंज के रेंजर मूलचंद शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि पशु चिकित्सा विभाग की टीम ने हिरण का पोस्टमॉर्टम किया। परीक्षण के बाद वन विभाग ने विधिवत रूप से हिरण का अंतिम संस्कार कराया। 28 जून को बालोद शहर के तांदुला जलाशय में एक हिरण का शव पानी में तैरता मिला था। इसी क्षेत्र में कुछ दूरी पर एक और हिरण को जंगली जानवर ने मारकर खा लिया था। वन विभाग के अनुसार दोनों नर हिरणों पर लकड़बग्घे ने हमला किया था। जिसमें एक को शिकार बना लिया गया। जबकि दूसरा भयवश रात के अंधेरे में पानी में कूद गया और डूबकर उसकी मौत हो गई। विभाग ने दोनों हिरणों का विधिवत पोस्टमॉर्टम कर अंतिम संस्कार किया।

पकड़ाया अवैध कबाड़ से भरा ट्रक

रायगढ़। छाल थाना पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए बड़ी मात्रा में अवैध कबाड़ से भरे एक ट्रक को पकड़ने में सफलता हासिल की है। पकड़े गए ट्रक में लगभग 20 टन स्क्रैप लोहा व टीना सामग्री लोड थी, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 6 लाख 35 हजार रुपये है। थाना प्रभारी को सूचना मिली कि कोरबा से हाटी होते हुए एक 12 चक्का ट्रक में अवैध कबाड़ छाल की ओर लाया जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी के निर्देश पर मुख्य मार्ग पर तत्काल नाकेबंदी की गई और संदिग्ध ट्रक (वाहन क्रमांक CG 12 S 2571) को रोका। पूछताछ करने पर चालक ने अपना नाम राजकुमार सिंह पिता स्वर्गीय हरिद्वार सिंह राजपूत (उम्र 50 वर्ष), निवासी पचरीघाट, थाना सिटी कोतवाली, जिला कोरबा छत्तीसगढ़ बताया।

हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट नहीं लगाने वाले वाहन चालकों पर रायपुर पुलिस और परिवहन विभाग की संयुक्त कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशानुसार यातायात पुलिस रायपुर एवं परिवहन विभाग की संयुक्त टीम गठित कर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगाने वाले वाहन चालकों पर अभियान कार्यवाही प्रारंभ करते हुए 111 वाहन पर कार्यवाही की गई।

बता दे कि हाई.सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट एक विशेष नंबर प्लेट है जिसे वाहनों की सुरक्षा और वाहन पहचान से जुड़े अपराधों को रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह अद्वितीय सुरक्षा सुविधाओं के साथ आता है, जैसे कि पहचान संख्या और क्रोमियम होलोग्राम और LTP स्टीकर। यह भारत सरकार द्वारा सभी प्रकार के वाहनों के लिए अनिवार्य है, ताकि वाहन पंजीकरण को सुव्यवस्थित किया जा सके और धोखाधड़ी गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके। नंबर प्लेट एल्यूमीनियम से बनी होती हैं और इसमें आसानी से परिवर्तन या छेड़छाड़ नहीं होती हैं। इसमें लेजर उत्कीर्णन जैसी सुविधाएँ शामिल हैं और स्नैप लॉक को प्लेट से हटाया नहीं जा सकता है जिससे डुप्लिकेट बनाना या

उनका दुरुपयोग करना काफी मुश्किल हो जाता है। सामान्य तौर पर HSRP प्रणाली पूरे देश में नंबर प्लेटों को मानकीकृत करती है, वाहनों की सुरक्षा में सुधार करती है और प्रभावी कानून प्रवर्तन और यातायात प्रबंधन को सक्षम बनाती है। HSRP की अनिवार्यता भारत में सुरक्षित और अधिक व्यवस्थित वाहन मानदंडों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

1 अप्रैल 2019 के पूर्व पंजीकृत वाहनों पर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा हाई सिक्युरिटी रजिस्ट्रेशन नम्बर प्लेट लगाने के लिए 30 अप्रेल 2025 तक का समय-सीमा निर्धारित था, परंतु उसके बाद भी आज दिनांक तक हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगाने वाले वाहन चालक एवं 1 अप्रैल 2019 के बाद पंजीकृत ऐसे वाहन चालक जो एच एस आर पी नंबर प्लेट नहीं लगाने वाले कुल 111 वाहन चालकों पर कार्यवाही की गई, कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

लोगों से की गई अपील

यातायात पुलिस रायपुर सभी वाहन चालकों से अपील करती है HSRP नंबर प्लेट लगाकर ही वाहन चलाएं ,असुविधा से बचें एवं यातायात नियमों का पालन करें।

ये नियम व दंड

केन्द्रीय मोटरयान नियम 1989 के नियम 50 के तहत भारत में सभी वाहनों के लिए हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (HSRP) लगाने का प्रावधान-विवरण दिया गया है, जिसके उल्लंघन पर वाहन मालिक-चालक पर जुर्माना लगाया जायेगा जो केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 39/192 के तहत हाई सिक्योरिटी रजिस्टेशन प्लेट (HSRP) नहीं लगे होने पर:-

- दोपहिया एवं तीन पहिया वाहन पर मोटरयान अधिनियम की धारा 39/192, 1/ए के तहत 1000 रुपये,
- चार पहिया वाहनों पर मोटरयान अधिनियम की धारा 39/192, 1/बी के तहत 2000 रुपये तथा
- मध्यम एवं भारी वाहनों पर मोटरयान अधिनियम की धारा 39/192, 1/सी के तहत 3000 रुपये जुर्माना या छ: माह कारावास या दोनों से दण्डित किये जाने का प्रावधान है।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं भू-अर्जन अधिकारी साजा, जिला बेमेतरा (छ.ग.)

क्रमांक 2071/अ.वि.अ./2025 साजा, दिनांक 29.05.2025

सार्वजनिक सूचना
प्रारूप "क"

राज्य शासन के विभाग कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग बेमेतरा संभाग बेमेतरा उपसंभाग साजा के अंतर्गत जिला बेमेतरा के ग्राम बोरिया से पदमी मार्ग का पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य लम्बाई 2.825 किमी. का निर्माण कार्य हेतु ग्राम-खैरझिटीकला, प.ह.नं. 16, रा.नि.मं.-कारेसरा, तहसील-थानखम्हरिया, जिला बेमेतरा (छ.ग.) में भूमि की आवश्यकता होने से राज्य शासन विभाग निम्नांकित कृषक की भूमि आपसी सहमति से क्रय नीति 2016 के तहत क्रय करना चाहता है।

स. क्रं.	भू स्वामी का नाम व पिता व पति का नाम	क्रय करने हेतु प्रस्तावित भूमि का विवरण		
		ख.नं.	हे.में	वर्ग मी. मे
1	2	3	4	5
1	रामनारायण/गणेश	347/2	0.0021	21.00
		347/4	0.0453	453.00
2	लुपसिंग / फिरतु	347/1	0.0168	168.00
		347/3	0.0020	19.50
3	ममता सिंघानिया/राजेश	348/2	0.0649	649.20

यदि किसी व्यक्ति या संस्था को क्रय विक्रय या स्वत्व में कोई आपत्ति हो, तो वह आधारों एवं सुसंगत दस्तावेजों सहित लिखित दावा/आपत्ति स्वयं या अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 15.07. 2025 प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथी के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 29.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
एवं भू-अर्जन अधिकारी साजा

जी - 252601944/2

राज्य की आर्थिक मजबूती और वित्तीय अनुशासन को लेकर सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री ने ली वित्त विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक : वित्तीय प्रबंधन में दक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर में प्रदेश की आर्थिक स्थिति और वित्तीय प्रबंधन की गहन समीक्षा की। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में बजट प्रबंधन, राजस्व संग्रहण, व्यय नियंत्रण, वित्तीय अनुशासन और ई-गवर्नेंस जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री साय ने अधिकारियों से राज्य की जीएसडीपी, पूंजीगत व्यय और योजनाओं की वित्तीय प्रगति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि वित्तीय संसाधनों का उपयोग पारदर्शिता और दक्षता के साथ किया जाए, ताकि जनकल्याणकारी योजनाएं निर्बाध रूप से संचालित हो सकें। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य की प्रगति उसकी वित्तीय स्थिरता पर निर्भर करती है। जितनी सशक्त वित्तीय व्यवस्था होगी, उतनी ही तेजी से हम विकास की दिशा में आगे बढ़ पाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित किया है, जिससे राज्य की जीएसडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। बैठक में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने विभाग की वर्तमान वित्तीय स्थिति, राजस्व प्राप्तियों, व्यय नियंत्रण और आगामी रणनीतियों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप योजनाओं को समयबद्ध रूप से वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं और विभाग वित्तीय पारदर्शिता व सुशासन की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने वित्त विभाग की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि बीते डेढ़ वर्षों में विभाग के द्वारा अपनाए गए नवाचारों से राज्य की आर्थिक आधारशिला और अधिक मजबूत हुई है।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि शासन की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और राज्य वित्तीय सुशासन के साथ विकास की नई ऊंचाइयों को छुए। बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव मुकेश कुमार बंसल और राहुल भगत सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय से यादव समाज के प्रतिनिधियों ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से उनके रायपुर स्थित निवास कार्यालय में यादव समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। यह प्रतिनिधिमंडल विधायक गजेंद्र यादव के नेतृत्व में पहुंचा था। मुख्यमंत्री साय से मुलाकात के दौरान प्रतिनिधियों के साथ समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री साय ने समाज की एकता, सहयोग और प्रगति की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और विश्वास दिलाया कि राज्य सरकार समाज के विकास में हरसंभव मदद करेगी। इस अवसर पर प्रतिनिधि मंडल में महापौर राजनांदगांव मधुसूदन यादव तथा प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से यादव समाज के पदाधिकारी माधव लाल यादव, बोधन यादव, गुलेंद्र यादव, देवेंद्र यादव, परमानंद यादव, जगमोहन लाल यादव, खेमराज यादव आदि शामिल रहे।

श्रमिकों के हित में साय सरकार का महत्वपूर्ण निर्णय

5 लाख लंबित आवेदनों का 161 करोड़ के भुगतान का निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की बुधवार को हुई बोर्ड की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। वर्ष 2019 से लंबित 5 लाख से ज्यादा आवेदनों के हितग्राहियों को 161 करोड़ से ज्यादा की राशि देने का निर्णय लिया गया है।

श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन एवं अध्यक्ष छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल डॉ राम प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभिन्न एजेंडे पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री साइकिल सहायता योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना, मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना के 5 लाख से अधिक हितग्राहियों के आवेदन विभाग को मिले थे।

पूर्व के आवेदनों के हितग्राहियों का 161 करोड़ से अधिक की राशि वितरित नहीं की थी। बुधवार को हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी आवेदनों का जल्द से जल्द परीक्षण कराकर जल्द राशि डीबीटी के माध्यम से भुगतान करने का निर्णय लिया गया। अब न्यूनतम 322 वर्ग फीट जमीन वाले हितग्राहियों को भी मिलेगा श्रमिक आवास सहायता योजना का लाभ संचालक मंडल की बैठक में मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना के क्रियान्वयन के संबंध में चर्चा की गई। वर्तमान में पात्रता रखने वाले मंडल में पंजीकृत निर्माण के स्वयं के भूखंड पर आवास निर्माण/नवीन आवास क्रय हेतु शहरी क्षेत्र में 500 वर्ग फीट एवं ग्रामीण क्षेत्र में 1000 वर्ग फीट क्षेत्रफल अधिकतम भूखंड होने का प्रावधान था, इसे संशोधित करते हुए बोर्ड की बैठक में शहरी क्षेत्र में न्यूनतम 322 वर्ग फीट तथा ग्रामीण क्षेत्रों में न्यूनतम 269 वर्ग फीट क्षेत्रफल भूखंड होने का संशोधन किया गया।

मोबाइल नंबर की अनिवार्यता में दी गई छूट

मंडल अंतर्गत संचालित पंजीयन योजना आवेदन हेतु मोबाइल नंबर की अनिवार्यता रखी गई है। प्रदेश के कई क्षेत्र के ऐसे हितग्राही जिनके पास मोबइल नहीं है। उन्हें पंजीयन में परेशानी का सामना करना पड़ता था, अब उन्हें मोबाइल नंबर की अनिवार्यता की छुट दी गई है। मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक दीर्घायु सहायता योजना के तहत पंजीकृत श्रमिक को मिलने वाली योजना का लाभ अब श्रमिक एवं उनके परिवार के सदस्यों को भी एक समान मिलेगा। बोर्ड की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिए गए।

स्कूल चले हम अभियान को मिली नई उड़ान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन की 'स्कूल चले हम' अभियान को एक नई गति और व्यापक जनभागीदारी प्रदान करते हुए जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में नवीन शिक्षा सत्र 2025-26 के शुभारंभ पर जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। यह उत्सव पीएमश्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, मोहला के प्रांगण में पारंपरिक हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

शाला प्रवेश उत्सव में विशेष अतिथि के रूप में विधायक इंद्र शाह मांडवी, जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता सिंह, उपाध्यक्ष भोजेश शाह मांडवी, कलेक्टर तुलिका प्रजापति, एसडीएम हेमेंद्र भुआर्य सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर एवं मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत किया गया तथा उन्हें निशुल्क पाठ्य पुस्तकें, गणवेश एवं साइकिल का वितरण कर शिक्षा की ओर प्रेरित किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी फत्तेराम कोसरिया ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि बोर्ड परीक्षाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं एवं खेलकूद जैसी गतिविधियों में जिले के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। उन्होंने शिक्षकों एवं पालकों से बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु सहभागिता की अपील की।

जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता सिंह ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए पालकों से विद्यालयीन गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। विधायक इंद्र शाह मांडवी ने जिले में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे गुणात्मक सुधार की सराहना करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार शिक्षा विभाग एवं शिक्षकों के समन्वित प्रयास की प्रशंसा की। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ जागरूकता एवं खेल गतिविधियों से जोड़ने के लिए शिक्षकों को प्रेरित किया।

बीजापुर जिले के 54 हजार से अधिक महिला संग्राहकों को चरण पादुका की जाएगी वितरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ सरकार तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों की महिलाओं को विशेष सुविधा देने के उद्देश्य से चरण पादुका वितरण किया जा रहा है। इस योजना के तहत बीजापुर जिले के 54 हजार 330 महिला तेंदूपत्ता संग्राहकों को चरण पादुका वितरित की जाएगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में चरण पादुका योजना संचालित की जा रही है। योजना की शुरुआत 21 जून 2025 को नवोदय विद्यालय बीजापुर में की गई, जहां धनोरा और संतोषपुर की प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के 15-15 महिला संग्राहकों को चरण पादुका वितरित की गई।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा चरण पादुका योजना की पहल तेंदूपत्ता संग्राहक महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए की जा रही है। पूर्ववर्ती सरकार में यह योजना बंद कर दी गई थी जिसे तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के हित में पुन: प्रारंभ किया गया है।

जिससे उन्हें जंगलों में कार्य करते समय उनके पैरों को सुरक्षा मिल सके। राज्य सरकार की यह योजना ग्रामीण और वनों में कार्यरत महिला श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

खाद-बीज की पर्याप्त उपलब्धता से किसानों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। राज्य शासन के स्पष्ट निर्देशों के अनुरूप बालोद जिले में किसानों को कृषि कार्य हेतु आदान सामग्री खाद-बीज की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जिले की सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से कृषकों को खाद-बीज की सहज उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है, जिससे किसानों के चेहरों पर संतोष और प्रसन्नता के भाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहे हैं।

ग्राम बघमरा के किसान विमलचंद पटेल ने सेवा सहकारी समिति मेढ़की से डीएपी, पोटाश एवं यूरिया प्राप्त कर अपनी खेती के लिए आवश्यक तैयारी प्रारंभ कर दी है। श्री पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि लगभग चार एकड़ में वे धान की खेती करते हैं। उन्होंने शासन की खाद-बीज वितरण व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि समितियों में खाद और बीज की कोई कमी नहीं है और किसान अपनी आवश्यकता अनुसार सामग्री सहज रूप से प्राप्त कर पा रहे हैं। इससे समय पर कृषि कार्य आरंभ हो सका है।

श्री पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाएं, जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, कृषक उन्नति योजना आदि ने किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। उन्होंने कहा कि सोसायटियों के माध्यम से खाद-बीज के वितरण की बेहतर व्यवस्था हमारे लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार राज्य शासन द्वारा यह सुनिश्चित किया गया है कि प्रदेश के किसानों को खेती-किसानी में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। इसी क्रम में बालोद जिले में भी जिला प्रशासन द्वारा खाद-बीज की आपूर्ति एवं वितरण की बेतहर व्यवस्था की गई है। सेवा सहकारी समिति मेढ़की सहित अन्य समितियों में समुचित मात्रा में उर्वरक एवं बीज की उपलब्धता बनाए रखी गई है, जिससे कृषकों को समय पर आवश्यक संसाधन प्राप्त हो सकें। कृषक विमलचंद पटेल सहित अन्य किसानों ने जिले में खाद-बीज वितरण के लिए की गई प्रशासनिक व्यवस्था की सराहना की है। शासन-प्रशासन के इन सुनियोजित प्रयासों से जिले के किसान अब आत्मविश्वास के साथ कृषि कार्य में जुटे हैं।

युक्तियुक्तकरण से साकार हुई गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की परिकल्पना

पीएमश्री शाला संबलपुर में शिक्षकों की संख्या में वृद्धि से अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था हुई सुदृढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा स्कूलों में आवश्यकता के अनुरूप शिक्षकों की पदस्थापना के उद्देश्य से लागू की गई युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया पूरे प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक सार्थक पहल सिद्ध हो रही है। इसी कड़ी में बालोद जिले के डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला संबलपुर में भी शिक्षकों की कमी की समस्या दूर हुई है। युक्तियुक्तकरण के माध्यम से इस शाला में दो शिक्षकों की नवीन पदस्थापना से अध्ययन-अध्यापन की गतिविधियां सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं, जिससे न केवल विद्यार्थियों एवं पालकों को लाभ हुआ है, बल्कि ग्रामीणों एवं शिक्षा जगत से जुड़े लोगों में भी संतोष एवं प्रसन्नता का वातावरण है।

शाला में युक्तियुक्तकरण से पूर्व कुल तीन शिक्षक पदस्थ थे, जबकि विद्यार्थियों की संख्या 150 से अधिक थी। शिक्षकों की इस कमी के कारण शैक्षणिक गतिविधियों में व्यवधान उत्पन्न हो रहा था। राज्य शासन की पहल से अब शाला में प्रधानपाठक वीणा ठाकुर सहित कुल पांच शिक्षक अनिल दिल्लीवार, राबिन नागवंशी, बंसती टिकेश्वर एवं सुनीता की पदस्थापना हो चुकी है, जिससे कक्षा संचालन में सुगमता आई है तथा विद्यार्थियों को विषयवार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो रही है। स्थानीय साहित्यकार एवं शिक्षाविद् बिरेन्द्र निरोटी एवं शाला विकास समिति के अध्यक्ष गंगाराम निषाद ने राज्य शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीणजन एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा लंबे समय से शिक्षकों की नियुक्ति की मांग की जा रही थी, जो अब पूर्ण हुई है। इससे ग्रामीणों, पालकों और विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति नया उत्साह देखने को मिल रहा है।

राज्य शासन की युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया से शिक्षकविहीन अथवा एकल शिक्षकीय शालाओं में भी अब जरूरत के मुताबिक शिक्षक पदस्थ हुए हैं। यह पहल न केवल शिक्षा के स्तर को सुधारने में सहायक है, बल्कि गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी शिक्षा की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने 'मोर गोठ ल सुनगा हर घर मुनगा अभियान' का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने नवा रायपुर स्थित निवास से ''मोर गोठ ल सुनगा, हर घर मुनगा'' अभियान का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम के तहत मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और मुनगा (सहजन) का पौधारोपण कर अभियान की विधिवत शुरुआत की। उन्होंने कहा कि मुनगा न केवल एक पौष्टिक सब्जी है, बल्कि यह बच्चों और माताओं के पोषण स्तर को सुधारने में अहम भूमिका निभाएगा। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इस पहल को जन-आंदोलन में बदलने की अपील करते हुए कहा कि हर घर में मुनगा का पौधा लगाकर हम कुपोषण के खिलाफ एक मजबूत लड़ाई लड़ सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950